स्थापित 1935

समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• सितम्बर २०२५ • वर्ष ७६ • अंक ०९

मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

६-७ सितंबर २०२५; दिल्ली में आयोजित अ.भा.मा.स. के २८वें राष्ट्रीय अधिवेशन में मुख्य अतिथि दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष श्री विजेन्द्र गुप्ता ने समारोह का उद्घाटन किया। चित्र में परिलक्षित (बायें से); सर्व श्री मधुसूदन सीकरिया, सुभाष अग्रवाल, कैलाशपति तोदी, राजेश सिंघल, केदारनाथ गुप्ता, बसंत पोद्दार, संजय गोयनका, गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, पवन कुमार गोयनका, शिव कुमार लोहिया, रंजीत जालान, राज कुमार केडिया, श्याम सुंदर अग्रवाल, हरि प्रसाद कानोड़िया, संतोष सराफ।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया जी द्वारा विशिष्ट कार्यकर्ता, सहयोगी, पूर्व प्रांतीय पदाधिकारी, प्रदेशों के अध्यक्ष तथा महामंत्री, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं महामंत्री का सम्मान।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया से पदभार ग्रहण करते हुए नव-निर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका।

इस अंक में

विशेष पेज-१८

संपादकीय
- संकल्प से सृष्टिः एक विचार

रपट
- २८वाँ राष्ट्रीय अधिवेशन
- राष्ट्रीय अध्यक्ष का अभिभाषण
- राष्ट्रीय पदाधिकारियों एवं प्रांतीय पदाधिकारियों की संयुक्त बैठक

संस्कार-संस्कृति चेतना
- थाली में झूठा भोजन छोड़ने के दुष्प्रभाव
- दिल से निकली नमस्ते
- तिलक लगाने का अर्थ और आज्ञा चक्र से उसका संबंध
- भगवान का भोग

प्रांतीय समाचार
- झारखंड, कर्नाटक, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल

सूचना

अखिल भारतीय समिति की बैठक

२ नवंबर २०२५

हिन्दुस्तान क्लब, कोलकाता

CENTURYPLY®

CENTURYPLY®
CENTURYLAMINATES®
CENTURYVENEERS®
CENTURYDOORS®
CENTURYEXTERIA®
Decorative Exterior Laminates
CENTURYPVC®
CENTURYPARTICLEBOARD®
The Eco-friendly and Economical Board
CENTURYPROWUD®
MDF-The wood of the future
zykron®
FIBRE CEMENT BOARDS & PLANKS
SAINIK 710
WATERPROOF PLY
SAINIK LAMINATES™
BOLD & BEAUTIFUL

CENTURY PLYBOARDS (INDIA) LTD.
Century House, P-15/1, Taratala Road, Kolkata - 700 088
For any queries, SMS 'CPIL' to 56070 or call us on 1800 5722 122

समाज विकास

◆ सितम्बर २०२५ ◆ वर्ष ७६ ◆ अंक ९

◆ एक प्रति - ₹१० ◆ वार्षिक - ₹१००

अनुक्रमणिका

शीर्षक	पृष्ठ संख्या
● **संपादकीय :**	४
संकल्प से सृष्टि : एक विचार	
● **रपट**	
२८वाँ राष्ट्रीय अधिवेशन	५-१३
राष्ट्रीय अध्यक्ष का अभिभाषण	१४-१६
राष्ट्रीय पदाधिकारियों एवं प्रांतीय पदाधिकारियों की संयुक्त बैठक	२२-२३
श्रद्धांजलि - **श्री भानीराम सुरेका**	२५
● **सम्मेलन समाचार**	
अध्यक्षीय सम्मान	२६
सूचना-अखिल भारतीय समिति की बैठक	२७
विशेष **संस्कार-संस्कृति चेतना**	
थाली में झूठा भोजन छोड़ने के दुष्प्रभाव	१८-१९
दिल से निकली नमस्ते	
'तिलक लगाने का अर्थ और आज्ञा चक्र से उसका संबंध', भगवान को भोग, भोजन से पहले मंत्र क्यों?, रामार्यो, प्रकृति से दोस्ती जरूरी है	
● **प्रांतीय समाचार**	
झारखंड, कर्नाटक, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंग	३१-३२
● नए सदस्यों का स्वागत	३३-३४

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

All India Marwari Federation

प्रशासनिक एवं संपर्क कार्यालय : **४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७**

फोन : ०३३-४००४ ४०८९

◆ email: aimf1935@gmail.com

◆ Website : www.marwarisammelan.com

स्वत्वाधिकारी ऑल इंडिया मारवाड़ी फेडरेशन के लिए **भानीराम सुरेका** द्वारा ऑल इंडिया मारवाड़ी फेडरेशन, ४बी, डकबैक हाउस (४ तल्ला), कोलकाता-१७ से प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित।

◆ **प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा** ◆ **संपादक : शिव कुमार लोहिया**

प्रकाशित रचनाओं से संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

सत्र २०२५-२७ के लिए लोगो

सभी प्रादेशिक संगठन एवं शाखा संगठन से उपर्युक्त दिए गए लोगो का उपयोग सत्र २०२५-२७ के लिए करने का अनुरोध है। इसमें दूसरा लोगो इस सत्र का नारा '**म्हारी चाह – संगठित समाज**' का है। नए 'लोगो' में यह दर्शाया गया है कि समाज के विभिन्न घटक समन्वय एवं भाईचारा की भावना के साथ हाथ मिलाकर एकता का संदेश दे रहे हैं एवं समाज को श्रेष्ठता प्रदान कर रहे हैं।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

4बी, डकबैक हाउस (चौथा तल्ला)

41, शेक्सपियर सारणी, कोलकाता-700 017

समाज से सादर निवेदन

वैवाहिक अवसर पर मद्यपान करना - कराना धार्मिक एवं सामाजिक दोनों रूप से उचित नहीं है।

प्री-वेडिंग शूट

हमारी सभ्यता एवं संस्कृति के खिलाफ है।

समाजहित में इनसे परहेज करें।

निमंत्रण में ई-कार्ड को बढ़ावा दें।

संकल्प से सृष्टि : एक विचार

शिव कुमार लोहिया

मेरा यह मानना है कि :
- सम्मेलन एक विशिष्ट संस्था है
- सम्मेलन में अपार संभावनाएं हैं
- सम्मेलन को नई ऊँचाइयां देने के पर्याप्त अवसर हैं
- सम्मेलन में हमें बड़े सोच के साथ काम करने की आवश्यकता है।

सत्र २०२३-२५ में चार धाम यात्रा की तरह हमने श्रद्धा, विश्वास, लगन एवं निष्ठा के साथ अपनी अपनी भूमिका निभाने का पूरा प्रयास किया है :
- यह सत्र नए-नए पदक्षेप का सत्र रहा है
- यह सत्र नई सोच का सत्र रहा है
- यह सत्र शत प्रतिशत प्रयासों का सत्र रहा है
- यह सत्र उपलब्धियों का सत्र रहा है।
- वाह्य एवं आंतरिक द्रुत संवाद के लिए एक नया ढांचा तैयार किया गया है।

हम यह जानते हैं कि किसी भी सत्र की उपलब्धियों का सही मूल्यांकन होने में समय लगता है। जिस प्रकार कि कुंभ में स्नान करने के बाद बदन पर का पानी धीरे-धीरे सूखता है, उसी प्रकार इस सत्र की उपलब्धियों का महत्व धीरे-धीरे हमारे जेहन में उतरेगा। मुझे पूरा विश्वास है कि सत्र में जो भी कार्य किए गए हैं उसका लाभ सम्मेलन को निरंतर मिलता रहेगा।

सम्मेलन की विशिष्ट पहचान एक वैचारिक संस्था के रूप में है। ५०-६० के दशक में समाज सुधार के कार्य से सम्मेलन की एक नई पहचान बनी। सम्मेलन के कार्यकर्ता देश में जगह-जगह पर सड़कों पर भी उतरे। साधारण लोगों तक जाकर उन्होंने अपनी बात पहुंचाई। एक घटना का यहां उदाहरण देना चाहूंगा। १९६१ में रजत जयंती महाधिवेशन में स्वर्गीय रामकृष्ण सरावगी ने पर्दा प्रथा के मूलोच्छेदन की आवश्यकता पर जोर दिया उन्होंने कहा सम्मेलन अपने पदाधिकारी एवं अखिल भारतीय समिति के सदस्यों को यह संदेश दे कि वे घूंघट वाले विवाह में शामिल न हो। महा अधिवेशन में इस बात का स्वागत समिति के अध्यक्ष साहू शांति प्रसाद जैन ने विरोध किया। इस प्रस्ताव पर विवाद हुआ। उस समय स्वर्गीय भंवरमल सिंघी एवं स्व. नंदकिशोर जालान ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया एवं भारी बहुमत से यह प्रस्ताव पारित किए गए। हम समझ सकते हैं कि स्थितियां भिन्न हो सकती हैं किंतु निरंतर प्रयासों के आगे बाधाओं को झुकना पड़ता है। अगर हम यह कहते हैं कि आज का माहौल भिन्न है तो हमें यह देखना होगा कि कहीं हमारे संकल्प में कमी तो नहीं है। इस संदर्भ में मैं गत जुलाई मास में आयोजित अखिल भारतीय समिति में पेश किए गए दो प्रस्ताव की ओर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा। ये प्रस्ताव अखिल भारतीय समिति एवं राष्ट्रीय अधिवेशन में पारित हो चुके हैं, जो कि निम्नलिखित है:

(१) **"सम्मेलन के कार्यक्रमों को प्रभावी बनाने एवं संगठन को मजबूती प्रदान करके समाज को उसका पूरा लाभ देने के लिए सभी शाखाओं को सक्रिय बनाने की अत्यधिक आवश्यकता है। इस संदर्भ में शाखा स्तर पर पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण शिविर, मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन के माध्यम से जमीनी स्तर पर संगठन में मजबूती लाने की आवश्यकता है।"**

(२) **"सम्मेलन सभी समाज बंधुओं से अनुरोध करता है कि इन मुद्दों (समाज में गिरते नैतिक एवं सामाजिक मुल्य बोध, बुजुर्गों की अवहेलना, धन का बढ़ता प्रभाव, बिखरते परिवार, आपसी रिश्तों में तनाव एवं बढ़ते तलाक) पर आचरण की आवश्यकता है। खासकर सम्मेलन से जुड़े सदस्यों का विशेष दायित्व बनता है वह इन मुद्दों पर समाज के लिए उदाहरण प्रस्तुत करें।"**

"अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं उसके सभी प्रांतीय/जिला/नगर/ग्राम, हर स्तर के सदस्य ऐसे किसी वैवाहिक समारोह में शामिल नहीं होंगे जहाँ कॉकटेल (मद्यपान) की व्यवस्था रहेगी। निमंत्रण प्राप्त होने पर वर-वधू को आर्शिवाद का पत्र लिखकर उक्त कारण से समारोह में उपस्थित नहीं होने के लिए क्षमायाचना करेंगे। विवाह-स्थल पहुँचने पर ज्ञात होने पर वें शांति एवं शालीनता पूर्वक बाहर निकल जायें। वापसी पर चाहें तो निकल आने का कारण बताते हुए अपनी असमर्थता की चर्चा करते हुए क्षमायाचना कर लें।"

मेरी दृष्टि में ये दो प्रस्ताव सम्मेलन के भविष्य को एक नई दिशा देने की क्षमता रखते हैं। प्रस्ताव का अपरोक्ष रूप से यह संदेश है कि समाज सुधार हम प्रवचन के द्वारा नहीं आचरण के द्वारा कर सकते हैं। अगर हम समाज को कोई संदेश देते हैं तो सर्वप्रथम सम्मेलन से जुड़े सभी अधिकारीयों, कार्यकर्ताओं एवं सदस्यों का यह दायित्व बनता है कि उन बातों को वे अपने आचरण में लायें, तभी उनकी बातों का असर होगा। दूसरा प्रस्ताव भी अत्यंत ही महत्वपूर्ण प्रस्ताव है। सम्मेलन को व्यापक रूप से जमीनी स्तर पर प्रभावी बनाने के लिए सम्मेलन के प्रत्येक शाखा पर नजर रखनी होगी एवं शाखा को पुष्ट करने के लिए प्रांत एवं राष्ट्र को मिलकर सहयोग देना चाहिए। शाखाओं से निकल कर ही नए-नए कार्यकर्ता उभर कर आएंगे। कार्यकर्ता ही सम्मेलन के संदेश को समाज में चारों तरफ फैलाएंगे।

मारवाड़ी समाज जहाँ भी बसे वहाँ समाज का उत्थान हुआ : श्री विजेंद्र गुप्ता

श्री पवन कुमार गोयनका ने अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष का कार्यभार संभाला

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का **२८वाँ राष्ट्रीय अधिवेशन** गत **६ एवं ७ सितंबर २०२५** को **दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन** के आतिथ्य में **अध्यात्म साधना केंद्र, छतरपुर, दिल्ली** में आयोजित किया गया। दो-दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन में पुरे राष्ट्र से सम्मेलन के पदाधिकारीगण एवं सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित हुए।

पहले दिन, ६ सितंबर २०२५ को सर्वप्रथम **'झंडोत्तोलन'** का कार्यक्रम किया गया। साथ ही सभी राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारियों की उपस्थिति में सम्मेलन के **भुतपूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षों को पुष्पाजंलि अर्पित की गई**।

'विषय निर्वाचनी समिति' की बैठक आयोजित की गई। राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री शिव कुमार लोहिया** ने सभी सदस्यों का स्वागत किया। राष्ट्रीय अधिवेशन के पहले सत्र में **'विषय निर्वाचनी समिति की बैठक'** में प्रस्तावित ७ प्रस्ताव **१. राजस्थानी भाषा का प्रचार-प्रसार, २.राष्ट्रीय एकता एवं विकसित भारत कासंकल्प, ३. संस्कार-संस्कृति-चेतना, ४. संगठन, ५. समाज सुधार, ६. संविधान संशोधन, ७. वैवाहिक परिकोष्ट एवं टूटते रिश्ते** जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार किया गया। बैठक में निर्धारित प्रस्तावों के अतिरिक्त कुछ प्रांतों एवं व्यक्तियों द्वारा भी विभिन्न प्रकार के प्रस्ताव दिए गए थे। जिनमें तमिलनाडु प्रांत, झारखंड प्रांत तथा पूर्वोत्तर प्रांत एवं व्यक्तिगत में पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका, झारखंड प्रांत के निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष श्री बसंत मित्तल एवं मध्य प्रदेश प्रांत के पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष श्री कमलेश नाहटा के द्वारा भेजे गए सभी प्रस्तावों पर गंभीर विचार-विमर्श किया गया; किन्तु सामूहिक निर्णय के आधार पर सभी प्रस्तावों को खुले सत्र के लिए अंगीकार नहीं किया गया।

निर्वाचनी समिति की बैठक के उपरांत राष्ट्रीय महामंत्री **श्री कैलाशपति तोदी** ने सत्र २०२३-२५ में किए गए कार्यकलापों से सभा को अवगत कराया। राष्ट्रीय महामंत्री श्री तोदी ने राष्ट्रीय पदाधिकारियों एवं विभिन्न प्रदेशो से पधारे सभी प्रांतीय पदाधिकारियों एवं सदस्यों का अधिवेशन में शामिल होने के लिए सभी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने बहुत ही सुंदर तरीके से अपने गत कार्यकाल में किए गए कार्यों को **पीपीटी** के माध्यम से सभा को दिखाया एवं सभी कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। महामंत्री ने अपनी विस्तृत रपट प्रस्तुत करते हुए बताया कि अब तक सम्मेलन की १८ प्रांतों में से १६ प्रांतो का राष्ट्रीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय महामंत्री एवं अन्य राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने दौरा किया। इन दौरों में संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा एवं प्रगति पर चर्चा की गई। इस दौरान उन्होंने संगठन की वेबसाइट के बारे में जानकारी दी। तथा इसे अधिक सक्रिय एवं उपयोगी बनाने के लिए सुझाव प्रस्तुत किए। सदस्यता विस्तार के विषय में उन्होंने कहा कि संगठन के दायरे को और व्यापक करने के लिए सदस्यता विस्तार हेतु चल रहे प्रयासों की जानकारी दी। संगठन के अंतर्गत नई-नई शाखाओं की स्थापना हुई। जिससे संगठनात्मक संरचना सुदृढ़ हुई है। इस कार्य से संगठन का दायरा लगातार बढ़ रहा है। व्यापारिक सहयोग के अंतर्गत लगभग १०,००० लोगों को व्हाट्सएप समूह के माध्यम से जोड़ा गया, ताकि वे आपस में व्यापारिक सूचनाएँ साझा कर सकें और व्यापार में सहयोग प्राप्त कर सकें। रोजगार सहायता के क्षेत्र में महामंत्री ने विशेष रूप से उल्लेख किया कि राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री दिनेश जैन के माध्यम से इस दिशा में सराहनीय कार्य हुआ है, बताया कि इस कार्य से कई युवाओं को रोजगार के अवसर मिले।

राष्ट्रीय महामंत्री ने बताया कि सम्मेलन ने पिछले वर्ष उच्च

शिक्षा के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण पहलें की। विभिन्न प्रांतों से आए छात्र-छात्राओं के आवदेनों को हर संभव मदद करने की कोशिश की। जहाँ तक संभव हो सका सम्मेलन के द्वारा छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा अनुदान में मदद कराई गई। इसके अलावा भी अन्य सम्मानित सदस्यों द्वारा उच्च शिक्षा में सहयोग दिया गया। सिक्किम प्रांत के गठन पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि प्रांत के गठन के समय में यदि कोई त्रुटि होगी तो उसे सुधार लिया जाएगा।

राष्ट्रीय महामंत्री ने उन पर लगे आक्षेपों पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए पारदर्शिता का परिचय दिया। संगठन के प्रति अपनी पारदर्शिता और निष्ठा व्यक्त की। महामंत्री ने स्वीकार किया कि केंद्रीय संचालन में कुछ त्रटियाँ हुईं। इसके लिए उन्होंने सभा से क्षमा माँगी और भविष्य में सुधार का आश्वासन दिया एवं सभी के सहयोग हेतु सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को धन्यवाद दिया।

राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष **श्री केदारनाथ गुप्ता** ने सत्र २०२३-२५ के अंतर्गत सम्मेलन की आर्थिक गतिविधियों की रिपोर्ट सभा के समक्ष प्रस्तुत की। रिपोर्ट में बताया गया कि संगठन को प्राप्त आय में मुख्यतः सदस्यता शुल्क, विज्ञापन, एवं अनुदान राशि सम्मिलित है। इन सभी स्त्रोंतों से प्राप्त धनराशि को सुरक्षित रूप से फिक्स्ड डिपोजिट में निवेश किया गया है, जिससे संगठन को दीर्घकालिक लाभ प्राप्त हो सके।

'सीताराम रुँगटा मारवाड़ी सम्मेलन भवन' के निर्माण हेतु रुपये ३९ लाख की धनराशि मारवाड़ी सम्मेलन फाउंडेशन को दान स्वरूप प्रदान की गई। कोषाध्यक्ष ने अपने वक्तव्य में स्पष्ट किया - "यदि मैं एक रुपया लूँगा तो उसके सौ पैसे का भी हिसाब दूँगा।" इसके बाद उन्होंने एक कविता के माध्यम से वित्तीय अनुशासन और पारदर्शिता का महत्व सबको सरल रूप में समझाया। अंत में कोषाध्यक्ष ने सभी सदस्यों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया और संगठन के प्रति निरंतर निष्ठा एवं सहयोग का संकल्प दोहराया।

राष्ट्रीय अधिवेशन में राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री शिव कुमार लोहिया** ने सभा को संबोधित किया। अपने उद्‌बोधन में उन्होंने संगठन की गतिविधियों, उपलब्धियों एवं भविष्य की दिशा पर प्रकाश डाला। अध्यक्ष महोदय ने कहा कि संगठनात्मक दृष्टिकोण के तहत राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी एवं राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री केदारनाथ गुप्ता दोनों संगठन के दाएँ और बाएँ हाथ के समान हैं। उन्होंने आगे बताया कि जीनस पावर इंफ्रास्ट्रक्चर लि. के श्री ईश्वर चंद अग्रवाल से उच्च शिक्षा सहयोग हेतु अनुदान लेने पर सहमति हुई थी। जिसके अंतर्गत रुपये २० लाख की राशि मारवाड़ी सम्मेलन फाउंडेशन को प्राप्त हो चुकी है।

सत्र की गतिविधियाँ पर अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि सत्र में जो भी गतिविधियाँ सम्पन्न हुईं, उनकी जिम्मेदारी पूरी टीम की रही है। उन्होंने सभी प्रांतीय अध्यक्षों से अपना परिचय देने का भी आग्रह किया। इस सत्र के जनसंपर्क एवं सम्मेलन का प्रचार-प्रसार के दौरान संगठन के उद्देश्यों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया। अध्यक्ष तथा सभी पदाधिकारियों ने विभिन्न प्रांतों का दौरा किया। कुल ६५ शहरों में २०-२५ हजार लोगों से मुलाकात हुई। डिजिटलीकरण के कारण सभी से प्रभावी संपर्क स्थापित हो पाया। निर्धारित लक्ष्य १०० शाखाओं में से ८० शाखाएँ खोली गईं। विशेष रूप से पूर्वोत्तर, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र एवं छत्तीसगढ़ में नई शाखाओं का विस्तार हुआ। वर्ष २०२४ में लोकतांत्रिक सहयोग के लिए सेल्फी मतदान सहयोग अभियान के अंतर्गत ६० शहरों से कुल १७६ सेल्फियाँ प्राप्त हुईं, जो अभियान की सफलता का प्रतीक है। विशेष कार्यक्रम के तहत कोलकाता में गेम चेंजर कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें डॉ. उज्ज्वल पाटनी ने मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम की लोकप्रियता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि तीन दिन पहले ही टिकट वितरण बंद करना पड़ा।

अध्यक्ष महोदय ने अपने वक्तव्य में व्यक्तिगत भावनाएँ दर्शाते हुए कहा कि आपके स्नेह से मैं आप्लावित हूँ। लोग अक्सर पूछते हैं कि सम्मेलन का सदस्य क्यों बनना चाहिए? वास्तव में सम्मेलन एक समुद्र है, और इसमें शामिल होने से ही मोती मिलते हैं। उन्होंने आगे कहा कि मेरा अनुभव मैं आप सभी के साथ बाँट रहा हूँ। जिन्होंने मेरा सहयोग किया, उनका मैं हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ और उनका सम्मान करना चाहता हूँ।

अध्यक्षीय संबोधन के उपरांत **'अध्यक्षीय पुरस्कार'** प्रदान किए गए। सत्र २०२३-२५ के राष्ट्रीय उपाध्यक्षगण **श्री राजकुमार केडिया, श्री रंजीत कुमार जालान, श्री मधुसूदन सिकारीया, डॉ. सुभाष अग्रवाल, श्री निर्मल कुमार झुनझुनवाला**, राष्ट्रीय महामंत्री **श्री कैलाशपति तोदी**, राष्ट्रीय संयुक्तमंत्री **श्री पवन कुमार जालान, श्री संजय गोयनका**, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष **श्री केदार नाथ गुप्ता**, पूर्वोत्तर प्रांतीय अध्यक्ष **श्री कैलाश चंद काबरा**, उत्कल प्रांतीय अध्यक्ष **श्री दिनेश कुमार अग्रवाल**, बिहार प्रांतीय अध्यक्ष **श्री युगल किशोर अग्रवाल**, पश्चिम बंग प्रांतीय अध्यक्ष **श्री नंद किशोर अग्रवाल, श्रीमती सुषमा अग्रवाल** एवं अन्य पदाधिकारियों को दिया गया।

पुरस्कारों की शृंखला में सम्मेलन की ओर से **'श्रेष्ठ प्रांत'** पुरस्कार **'पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन'** को **'सदस्यता वृद्धि प्रतिशत प्रांत'** में **'मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं महाराष्ट्र'** को **'सदस्यता संख्या वृद्धि प्रांत'** में **'पूर्वोत्तर एवं झारखंड'** को 'सत्र का नारा' **'आपणो समाज-एक समाज-श्रेष्ठ समाज'** में **'बिहार'** प्रांत को प्रांतो द्वारा अनुमोदित **'श्रेष्ठ शाखा'** आंध्र प्रदेश से **'विजयवाड़ा शाखा'**, को पूर्वोत्तर से **'गुवाहाटी शाखा'**, को कर्नाटक से **'बंगलोर महिला परिधि शाखा'**, को बिहार से **'पटना नगर शाखा'** एवं **'भागलपुर शाखा'** को झारखंड से **'साकची शाखा'** को उत्कल से **'केसिंगा शाखा'** को दिए गए। राष्ट्रीय बैठकों के आयोजन के लिए **बिहार, गुजरात, कर्नाटक, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ प्रांत** को प्रदान किए गए। अंत में २८वें राष्ट्रीय अधिवेशन के आतिथ्य के लिए **दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन** को प्रांतीय अध्यक्ष **श्री राजेश सिंघल**, प्रांतीय महामंत्री **श्री बसंत पोद्दार**, को एवं अधिवेशन के संयोजक **श्री राज कुमार मिश्रा** को मोमेंटो देकर सम्मान किया गया।

अपराह्न में अधिवेशन के **'उद्‌घाटन समारोह'** का विधिवत शुभारंभ हुआ। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष **श्री विजेंद्र गुप्ता, मुख्य अतिथि** के आगमन पर दिल्ली के प्रांतीय अध्यक्ष **श्री राजेश सिंघल**, निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष **श्री लक्ष्मीपत भुतोड़िया** एवं **श्री निर्मल खंडेलवाल** मुख्य अतिथि को दुपट्टा, मोमेंटो एवं बुके देकर सम्मेलन की ओर से उनका सम्मान किया। सम्मेलन के पूर्व

राष्ट्रीय अध्यक्ष **डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया**, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ एवं पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया** का दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से मोमेंटो एवं दुपट्टा ओढ़ाकर सम्मान किया गया। स्वागत की अगली कड़ी में राष्ट्रीय उपाध्यक्षगण **श्री रंजीत जालान, श्री मधुसूदन सीकरिया, श्री राज कुमार केडिया, श्री निर्मल झुनझुनवाला एवं डॉ. सुभाष अग्रवाल** राष्ट्रीय महामंत्री **श्री कैलाशपति तोदी**, राष्ट्रीय संयुक्तमंत्री द्वय **श्री पवन कुमार जालान** एवं **श्री संजय गोयनका**, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष **श्री केदार नाथ गुप्ता** का सम्मान किया गया। सुप्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाजसेवी **श्री शुभकरण बोथरा** का सम्मान एवं स्वागताध्यक्ष **डॉ. श्याम सुंदर अग्रवाल** का सम्मान किया गया। तत्पश्चात सम्मेलन के राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारियों के साथ **दीप प्रज्जवलित** कर समारोह का शुभारंभ किया।

अधिवेशन के मुख्य अतिथि दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष **श्री विजेंद्र गुप्ता** ने अपने वक्तव्य में सम्मेलन के सभी पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षों, राष्ट्रीय पदाधिकारियों, दिल्ली प्रांत के पदाधिकारियों एवं देश के कोने-कोने से पधारे समाज के भाईयों एवं बहनों को आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान की भूमि से निकलकर मारवाड़ी समाज आज देश के कोने-कोने मे ही नहीं अपितु दूनिया के हर कोने-कोने में है और हर व्यवसाय में अग्रणी भूमिका निभा रहे है। मारवाड़ी समाज ईमानदारी से व्यवसाय करते है। मारवाड़ी समाज जहाँ भी बसे वहाँ समाज का उत्थान हुआ। वे जहाँ गए वहाँ के बाजारों का उत्थान एवं आर्थिक सहयोग में सहभागिता की। मारवाड़ी समाज की महानता शुरु से ही निर्माण कार्यों में थी। देश भर में शिक्षण संस्थान, अस्पताल, मंदिर, पयाऊ एवं धर्मशालाएं निर्माण करना ही उनका उद्देश्य रहा है। सामाजिक संस्थाओं में मारवाड़ी समाज का अहम योगदान है। मारवाड़ी परंपराओं में केवल धनोपार्जन करना ही नहीं बल्कि एक देश को आर्थिक शक्ति प्रदान करना भी है। आज के युवाओं को समझने की जरुरत है। उनको मारवाड़ी शिक्षा, संस्कृति को अपनी धरोहर समझाना चाहिए जिससे आत्मनिर्भर भारत का सपना पूरा होगा। मैं आभार प्रकट करता हूँ जिसने ये समारोह आयोजित की। और साथ ही देश के कोने-कोने से पधारे महानुभावों का भी आभार प्रकट करता हूँ।

स्वागताध्यक्ष **डॉ. श्याम सुंदर अग्रवाल** के अपने वक्तव्य में कहा कि सभी का ह्रदय से आभार प्रकट करता हूँ। उन्होंने कहा कि मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अधिवेशन का आयोजन बहुत ही सुंदर कार्य है। मेरी सलाह है कि युवा पीढ़ी विदेशो में जाकर पढ़ाई करने के बजाय देश में पढ़ाई करे और अपने देश को आगे बढ़ाये। उन्होंने दिल्ली के बाहर से आने वाले सभी आगंतुओ को आभार प्रकट किया।

दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष **श्री राजेश सिंघल** ने सम्मेलन के २८वें राष्ट्रीय अधिवेशन में पधारे महानुभावों को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि आज का अधिवेशन केवल अधिवेशन नहीं हैं। ये अवसर एवं जिम्मेदारी है आज के युवाओं को नई दिशा देने की, महिलाओं को सशक्त करने की एवं संगठन को और अधिक संगठित करने की।

सम्मेलन के **राष्ट्रीय पदाधिकारियों** एवं सम्मेलन के **कर्मचारी वृंद** द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री शिव कुमार लोहिया** को मोमेंटो देकर सम्मान किया गया। उसके बाद पूर्वोत्तर, कर्नाटक, बिहार, छत्तीसगढ़ एवं मध्य प्रदेश की ओर से उनका सम्मान किया गया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री शिव कुमार लोहिया** के अध्यक्षीय संबोधन में सबसे पहले प्रांतो से पधारें सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों का स्वागत किया। साथ ही दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के सभी प्रांतीय पदाधिकारियों को **२८वें राष्ट्रीय अधिवेशन** के आतिथ्य हेतु आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि जिस तरह से कुंभ में स्नान करने से आत्मियता की शुद्धि सा प्रतित होता है उसी तरह से सम्मेलन से जुड़ने से होता है। समाज को अपने सर्वश्रेष्ठ देने से समाज आपको अपना सर्वश्रेष्ठ देगा। अगर आप चाहते है कि समाज आपकी सुने तो आपको अपने संगठन को मजबूत करना होगा। मारवाड़ी एक ब्रंड है इस सत्र का नारा था। **'आपणो समाज-एक समाज-श्रेष्ठ समाज'** लेकिन आज समाज विघटित है। हमारे पूर्वजों ने कहा कि अगर शहद जैसा मिठास चाहते हो तो मधुमक्खियों की तरह एक झुंड में रहना होगा। संगठन को मजबूत करने के लिए प्रेम एवं सद्भाव के साथ कार्य करना चाहिए। कभी एक दूसरे की टांग खींचने का प्रयास नहीं करना चाहिए। आप जानते है आज विश्व की सबसे बड़ी संस्था भारत में कार्यरत है। जिसकी पचास हजार से ज्यादा शाखाएं एवं ९० लाख से अधिक कार्यकर्ता है। सम्मेलन से जुड़ने पर शारीरिक एवं मानसिक विकास होता है। मैंने पंच सूत्रीय कार्यक्रम विकसीत की। समाज में कई कुरीतियाँ थी। जिसे सम्मेलन ने मिटाने के लिए प्रयास किये। पहले की कुरीतियाँ उन्नती में बाधा थी। आज की कुरीतियाँ उन्नती के बजाय अवनीति की ओर अग्रसर है। ९० साल से सम्मेलन इन कुरीतियों को मिटाने के लिए हमेशा प्रयासरत था एवं रहेगा। हमें हमेशा सजग रहना है। सम्मेलन को भविष्य में कोई चिंता नहीं है। सम्मेलन बहुत मजबूत है। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष श्री विजेंद्र

गुप्ता की उपस्थिति में सम्मेलन का **'भंवरमल सिंघी समाज सेवा पुरस्कार'** कोलकाता स्थित **'प्रेम मिलन (कोलकाता)** को **(संस्था के अध्यक्ष श्री चंद्रकांत सराफ)** को तिलक, माला, श्रीफल, शाल, पगड़ी, चेक राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारियों द्वारा प्रदान किया गया। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया ने सम्मेलन द्वारा प्रदान किए जाने वाले सम्मानों से सभा को विस्तार से बताया। साथ ही इस अधिवेशन से सबसे लंबे समय तक

राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे **श्री नंदकिशोर जालान** के परिवार की तरफ से श्री नंदकिशोर जालान की स्मृति में **'नंदकिशोर जालान संगठन समर्पण पुरस्कार'** सम्मेलन के वरीष्ठ सदस्य एवं समाज सेवी **श्री आत्माराम सोंथलिया** को पुरस्कार चयन उपसमिति के चेयरमैन **पद्मश्री प्रह्लाद राय अगरवाला**, संयोजक एवं पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया** एवं समिति के सदस्यों द्वारा चयन किया गया।

नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका को पदभार हस्तांतरित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया ने पुष्पहार पहनाकर दायित्व सौंपा तथा निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद ग्रहण किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका ने पदभार ग्रहण करने पर प्रांतों से पधारे प्रांतीय पदाधिकारियों द्वारा उनका सम्मान किया गया। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया** ने **श्री पवन कुमार गोयनका** को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर बधाई दी एवं सभा को आर्शिवचन प्रदान किया। तत्पश्चात इस सत्र के सम्मेलन गीत छाया चित्र के साथ विमोचन हुआ।

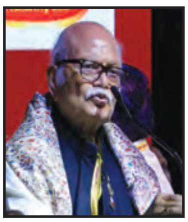

श्री गोयनका ने अपने अभिभाषण में देश-विदेश से पधारे सभी महानुभावों एवं अतिथियों को आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आप विदेश में किसी भारतीय से मिले तो खुशी होती है लेकिन जब आपको पता चले कि वो मारवाड़ी है तो खुशी दागुनी हो जाती है। क्योंकि हमें मालुम होता है कि वो अहिंसक, शाकाहारी एवं ईमानदार होते है। बच्चों में संस्कार और शिष्टाचार उसके खुद के जीवन की ही नहीं बल्कि पूरे समाज की दिशा और दशा तय करती है। बच्चों में संस्कार और शिष्टाचार उनके माता-पिता से आते हैं और इनको विकसित करने में उनकी बहुत बड़ी भूमिका होती है। बचपन में दी गई शिक्षा व्यक्ति के साथ आजीवन रहती है, इसलिए बच्चों को सही दिशा देना बहुत जरुरी हैं। उनको हमें विरासत में मिले अपने संस्कार-संस्कृति से अवगत कराना भी हमारा कर्तव्य है। उसके बाद युवाओं की भागीदारी को बढ़ाना। किसी भी देश की युवा पीढ़ी उसकी सबसे महत्वपूर्ण संपत्ति होती है। युवा पीढ़ी, पूरे राष्ट्र के लिए पूरी दुनिया पर अपनी छाप छोड़ने का अवसर होती है। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य समाज-सुधार, समाज विकास एवं राष्ट्र निर्माण है। आज समयानुसार शादियों में प्री-वेडिंग, मद्यपान जैसी कुरीतियाँ बढ़ गई है। शादि-विवाह एक पवित्र बंधन होता है जिसमें अपने देवी-देवताओं की पूजा होती है। उसमें मद्यपान होना बहुत ही गलत बात है। उन्होंने कहा कि आज सबसे बड़ी मूल जड़ है अपने बच्चों को शिक्षा, संस्कृति के बारे में बताए। सम्मेलन के ऐसे कई प्रोजेक्ट चल रहे है, उसको आगे बढ़ाना है। सम्मेलन हमारे लिए बहुत कुछ कर रहा है, हमें भी सम्मेलन के लिए कुछ करना चाहिए। मैं सभी पदाधिकारियों के साथ मिलकर काम करना चाहूँगा। उन्होंने आगे कहा कि महिलाएं परिवार की रीढ़ की हड्डी होती है। हमारे संस्कृति की ध्वजारोहण होती है। महिलाओं की सहभागिता बढ़ने से बच्चों में हमारे संस्कार-संस्कृति का प्रचार-प्रसार होता है। आज सम्मेलन से कई प्रोफेशनल लोग जुड़े है लेकिन हमें उनका लाभ प्राप्त नहीं हो पा रहा है। हमें एक प्रोफेशनल टीम के गठन की आवश्यकता है। इसकी जरुरत इसलिए पड़ती है क्योंकि यह समन्वित प्रयासों के माध्यम से साझा लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करता है, व्यक्तिगत शक्तियों का लाभ उठाता है और रचनात्मक और नवाचार को बढ़ावा देता है। आज भारतीय त्योहारों का पूरी दुनिया में कोई तोड़ नहीं है। हमें अपने त्योहारों पर ध्यान देने की आवश्यकता है ना कि पाश्चात्य सभ्यता के त्योहारों को जिससे हमारे समाज में तलाक की समस्याओं में कमी आये। किसी भी संस्था में सदस्य मुख्य भूमिका निभाते है। आज मुझे खुशी है कि अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की पूरे भारत वर्ष में २५ राज्यों में लगभग ४०० से अधिक शाखाएं स्थापित हुई है। मैं धन्यवाद देना चाहूँगा गत सत्र में राष्ट्रीय अध्यक्ष रहें श्री शिव कुमार लोहिया एवं उनकी पूरी टीम को जिन्होंने १०० शाखाएं खोलने का लक्ष्य लिया और उनमें से ८० शाखाओं को खोलने का कार्य पूरा किया। आगामी सत्र में संगठन-विस्तार के साथ-साथ हरेक क्षेत्र में कार्यक्रमों की गतिशीलता बनाये रखना और बढ़ाना मेरी प्राथमिकता होगी। सम्मेलन के लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु किसी भी प्रांत, प्रमंडल, जिला, ग्राम स्तर तक जहाँ कही भी मारवाड़ी हों, उनसे संवाद स्थापित करना, ज्वलंत मुद्दों के प्रति अपने युवक-युवतियों के प्रति, किशोर-किशोरियों को सजग-शिक्षित करना और सम्मेलन के ध्येय वाक्य **'म्हारो लक्ष्य-राष्ट्र री प्रगति'** को अग्रगति प्रदान करते हुए इससत्र के नारा : **'म्हारी चाह संगठित समाज'** को आगे बढ़ाना है। इसके अलावा

भी समाज में कुछ महत्वपूर्ण लक्ष्यों परह में मिलकर कार्य करने की आवश्यकता है जैसे अंतरराष्ट्रीय समुदाय को जोड़ने का प्रयास। अपने देश के अलावा विदेशों में अपने समाज के जो लोंग आज रहते है, उनको अपने समाज मे शामिल करना। उनकी सक्रियता एवं भागीदारी से सम्मेलन के लक्ष्यों को साधना। मेरी आशा है कि नेपाल में अपने मारवाड़ी सम्मेलन का गठन हों। इन सभी मानको को पूरा करने हेतु आगामी सत्र में एक **विशिष्ट सलाहकार समिति** का गठन करने का निर्णय लिया है।

मैं **'सीताराम रुँगटा सम्मेलन भवन'** के निर्माण हेतु पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री नन्द लाल रुँगटा** को उनके योगदान हेतु आभार प्रकट करता हूँ। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका ने अपने अभिभाषण के पश्चात अपने **कार्यकाल २०२५-२७ हेतु श्री केदार नाथ गुप्ता** को **राष्ट्रीय महामंत्री** के मनोनयन की घोषणा की एवं राष्ट्रीय महामंत्री श्री केदार नाथ गुप्ता को बधाई एवं सम्मान किया। राष्ट्रीय महामंत्री श्री केदार नाथ गुप्ता ने राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका एवं सभी मंचासीन अतिथियों का आभार प्रकट किया। श्री गोयनका कहा कि आज इस मंच से पंजाब के अमृतसर शाखा के गठन की घोषणा करता हूँ।

२८वें राष्ट्रीय अधिवेशन के उपलक्ष्य में दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन ने **'समाज दर्पण विशेषांक - २०२५'** पत्रिका का विमोचन किया गया। साथ ही एक बहुत ही सुंदर सम्मेलन गीत **'आओ आपां सब मिलकर, एक संकल्प उठावां हो'** की प्रस्तुति की गई जिसके रचयिता राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका एवं छायाचित्र से **श्री अनुराग मिश्रा** ने सजाया।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** ने अपने वक्तव्य में सभी को अधिवेशन की बधाई दी। उन्होंने कहा कि हमें ब्यूरोक्रेट्स का निर्माण करना चाहिए। सम्मेलन को शिक्षा, रोजगार एवं स्वास्थ्य में बहुत कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने सम्मेलन भवन के निर्माण कार्यो के बारे में प्रगति पर सभा को अवगत कराया एवं भवन निर्माण हेतु अतुलनीय योगदान हेतु पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नंद लाल रुँगटा का आभार प्रकट किया।

अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री सुरेश एम. जैन** ने अपनी बात रखी और कहा कि आपका मार्गदर्शन से हमारी युवा पीढ़ी उसको जमीनी स्तर पर जाकर कार्य को कार्यान्वित करेगी। सम्मेलन के निवर्तमान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री मधुसूदन सीकरिया** ने धन्यवाद ज्ञापन किया एवं राष्ट्रीय अधिवेशन में शामिल होने हेतु सभी का आभार प्रकट किया।

इसके पश्चात बैठक का वातावरण सौहार्दपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण बनाए रखने हेतु एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। **सांस्कृतिक कार्यक्रम** के माध्यम से राजस्थानी परंपरा, लोक-संस्कृति और संगठन की एकता को उजागर किया गया। संगीत और नृत्य के माध्यम से सामाजिक संदेशों को रोचक ढंग से प्रस्तुत किया गया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम ने सभा को जीवंतता प्रदान की और सभी उपस्थित लोगों में आपसी भाईचारे तथा संगठनात्मक एकजुटता की भावना को और भी प्रबल किया। इस कार्यक्रम में विभिन्न प्रांतों से आए प्रतिनिधियों एवं स्थानीय सदस्यों की उपस्थिति रही।

अधिवेशन के दूसरे दिन, ७ सितंबर २०२५ को सम्मेलन के परंपरानुसार, सुबह में **'खुलासत्र'** एवं **'समापन समारोह'** का आयोजन किया गया। जिसमें देशभर से पधारे प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सत्र की अध्यक्षता करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका ने प्रस्ताव पढ़ा एवं विचार रखने के लिए सभा को आग्रह किया।

'खुलासत्र' में अधिवेशन के पहले दिन संपन्न हुए **'विषय निर्वाचनी सभा** से अनुमोदित सातों प्रस्तावों **(१. मायड़ भाषा का प्रचार-प्रसार, २. राष्ट्रीय एकता एवं विकसित भारत का संकल्प, ३. संस्कार-संस्कृति-चेतना, ४. संगठन, ५. समाज सुधार, ६. संविधान संशोधन, ७. वैवाहिक परिकोष्ट एवं टूटते रिश्ते)** को रखा गया।

सत्र को केंद्रीय एवं प्रादेशिक पदाधिकारियों तथ विभिन्न प्रांतो से पधारे प्रतिनिधियों ने संबोधित किया और विभिन्न सामाजिक विषयों पर खुलकर अपने विचार रखे। जिसे सर्वसम्मति से पारित करते हुए सभी से अनुपालन करने एवं करवाने की व्यवस्था लेने का अनुरोध किया गया। इसके अलावा अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार रखे। जो निम्नलिखित है।

'समापन समारोह' का संचालन राष्ट्रीय अधिवेशन के संयोजक **श्री राज कुमार मिश्रा** ने किया एवं दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष **श्री राजेश सिंघल** ने कार्यक्रम को सफल बनाने में निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष **श्री लक्ष्मीपत भूतोड़िया**, प्रांतीय महामंत्री **श्री बसंत कुमार पोद्दार, श्री पन्ना लाल बैद, श्री मन्ना लाल बैद, श्री विनोद किला, श्री सुरेश पोद्दार, श्री दीपक कुमार अग्रवाल, श्री रमेश बजाज, श्री अरुण पंसारी, श्रीमती सुषमा अग्रवाल, श्री उत्तम छाजेड़, श्री कैलाश अग्रवाल, श्री राजेश गुप्ता, श्री नवरतन मल अग्रवाल, डॉ. रिंकी कंसल, श्री राजेश मोर, श्री पवन कुमार शर्मा, श्री ओम प्रकाश सोमानी, श्री सूर्य प्रकाश लाहोटी, श्री सज्जन शर्मा, श्री सुंदर लाल शर्मा, श्री मधुसूदन माटोलिया, श्री विमल खंडेलवाल, श्री मनोज नाहर, श्री नरेंद्र डागा, श्री मुकेश बोथरा एवं श्री लोकेश खेतान** के रचनात्मक योगदान की सभी ने भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए धन्यवाद ज्ञापन दिया।

अधिवेशन की झलकियाँ

अधिवेशन की झलकियाँ

RAM RATTAN GROUP
Developing Farmhouse Communities
Milkose
अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
ALL INDIA MARWARI FEDERATION
२८वाँ राष्ट्रीय अधिवेशन
आतिथ्य : दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन

उदघाटन सत्र

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के 'खुला सत्र' (७ सितंबर २०२५) में पारित प्रस्तावों का सारांश

(२० जुलाई २०२५ को रायपुर, छत्तीसगढ़ में आयोजित अखिल भारतीय समिति की बैठक में निम्नलिखित प्रस्ताव थे जिन्हें राष्ट्रीय अधिवेशन में पारित किया गया)

प्रस्ताव - १
मायड़ भाषा का प्रचार-प्रसार
प्रस्तावना

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मानना है कि हमारा देश बहुभाषी देश है। राजस्थानी भाषा एक समृद्ध भाषा है, जिसमें ७ लाख से अधिक शब्दों का कोष है। यह हमारे संस्कार-संस्कृति का संवाहक भी है। भारत सरकार से अनुरोध करती है कि राजस्थानी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में अविलंब शामिल किया जाए।

प्रस्ताव

राजस्थानी भाषा के घटते प्रयोग के मद्देनजर सम्मेलन सभी समाज बंधुओ से अनुरोध करता है कि आपस में विशेष कर युवा पीढ़ी से आपसी वार्तालाप में राजस्थानी भाषा का ही प्रयोग करें। साथ ही राष्ट्र एवं प्रांतो से अनुरोध करता है कि राजस्थानी भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए हर संभव प्रयास करें। साथ ही समाज बंधुओ से अनुरोध है की आसन्न जनगणना में अपनी मातृभाषा मारवाड़ी ही लिखवाए।

प्रस्ताव - २
राष्ट्रीय एकता एवं विकसित भारत का संकल्प
प्रस्तावना

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का ध्येय वाक्य ही है - **'म्हारो लक्ष्य राष्ट्र री प्रगति'**। अभी देश एक अमृत काल से गुजर रहा है। राष्ट्र हित सम्मेलन के लिए सदैव से सर्वोपरि रहा है एवं हम भारतवर्ष को एक विकसित राष्ट्र के रुप में देखने के लिए संकल्पबद्ध है।

प्रस्ताव

सम्मेलन की ओर से सभी समाज बंधुओं को प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए २०४७ तक देश को **"विकसित भारत"** के रुप में देखने के संकल्प को प्राप्त करने में सरकार एवं समाज को संपूर्ण सहयोग देने एवं अपनी सशक्त योगदान देने के लिए आवाहन करते हैं।

प्रस्ताव - ३
संस्कार-संस्कृति-चेतना
प्रस्तावना

समाज में व्याप्त एवं नए पनपते कुरीतियों के मूल में हमारे संस्कार संस्कृति की अवहेलना है ऐसा देखा जा रहा है कि युवा पीढी वर्तमान में हमारे संस्कारों की विशेषताओं से अनभिज्ञ है एवं पाश्चात्य सभ्यता से प्रभावित है।

प्रस्ताव

इस संदर्भ में संस्कार-संस्कृति-चेतना कार्यक्रम को अभियान बनाने का सम्मेलन आह्वान करता है ताकि हम आने वाली पीढी को हम हमारे संस्कारों की पुनर्स्थापना के माध्यम से उन्हें सही दिशा प्रदान कर सकें।

प्रस्ताव - ४
संगठन
प्रस्तावना

मारवाड़ी समाज देश के कोन-कोने में फैला हुआ है। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन संपूर्ण मारवाड़ी समाज की एकमात्र प्रतिनिधि संस्था है जो अपने विचारों एवं कार्यों के माध्यम से समाज बंधुओं में आत्मविश्वास, समरसता, सामाजिक एकता की भावना सुदृढ़ करने में अपना योगदान दे रही हैं। इस हेतु सांगठनिक शक्ति को और भी ज्यादा सुदृढ करने की आवश्यकता है। संगठन का कार्य जमीनी स्तर पर होना आवश्यक है इसके लिए जरुरी है कि संगठन को शाखा स्तर पर सशक्त एवं प्रभावशाली बनाया जाए। ऐसा देखा गया है कि सम्मेलन राष्ट्रीय स्तर एवं कुछ प्रांतो में सक्रिय हाने के बाद बावजूद शाखाओं में अधिकांशतः सक्रियता की गुंजाईश रहती है। शाखा सम्मेलन की नींव होती हैं।

प्रस्ताव

सम्मेलन के कार्यक्रमों को प्रभावी बनाने एवं संगठन को मजबूती प्रदान करके समाज को उसका पूरा लाभ देने के लिए सभी शाखाओं को सक्रिय बनाने की अत्यधिक आवश्यकता है। इस संदर्भ में शाखा स्तर पर पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण शिविर, मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन के माध्यम से जमीनी स्तर पर संगठन में मजबूती लाने की आवश्यकता है।

प्रस्ताव - ५
समाज सुधार
प्रस्तावना

समाज में पनपती नई-नई विसंगतियों के प्रति सम्मेलन अपनी चिंता व्यक्त करता है। प्रारंभ से ही समाज सुधार सम्मेलन का मुख्य मुद्दा रहा है इस सिलसिले में सम्मेलन ने बाल विवाह, मृत्यु भोज, पर्दाप्रथा, बालिकाओं में शिक्षा का अभाव जैसे मुद्दों पर व्यापक पहल की एवं उनके उन्मूलन में महती भूमिका निभाई। वैवाहिक समारोंह में आडंबर एवं मद्यपान परिवेशन के बढ़ते चलन पर सम्मेलन क्षोभ प्रकट करता है।

पाणि ग्रहण संस्कार के पवित्र पावन शुभ अवसर पर मदिरा पान एक अशोभनीय एवं धर्म असंगत एवं निंदनीय कार्य है। जिनके यहाँ भी धार्मिक संस्कार के कार्य संपन्न हो रहे हों उन्हें मद्यपान की कोई व्यवस्था नहीं करनी चाहिए।

विवाह पूर्व वर-वधू के फोटो-शूट कराये जाते हैं। उस फोटोशूट में ऐसे भी कुछ पोज होते हैं जिन्हें सार्वजनिक तौर पर नहीं देखा जा सकता। परन्तु विवाह वाले दिन इसे सार्वजनिक तौर पर दिखाया जाता है जो बहुत शर्मसार करता है।

विवाह के शूभ अवसर पर मेहंदी मंडवाने का काम, कोरियोग्राफर का काम आदि पुरुष वर्ग द्वारा किया जाने लगा है जो अशिष्ट एवं अशोभनीय है। कुछ अमंगल की आशंका भी बनी रहती है।

रात्रि बेला में विवाह आजकल बहुत देरी से होने लगे हैं। देरी होने से भोजन असमय लिया जाता है। बारात लगने के पहले ही आमंत्रित सज्जनों को भोजन कराना पड़ता है जो कि शोभनीय नहीं लगता है पर कोई विकल्प भी नहीं रहता। रात्रि के समारोह में अनावश्यक विद्युत साज-सज्जा एवं सजावट की जाती है, अतिथि एवं आतिथ्य करने वाले सबको परेशानी होती है, दिवा लग्न में विवाह भगवान सूर्य की साक्षी में ज्यादा शुभ होते है, पुराने समय में कुछ अपिरहार्य परिस्थितियों में रात्रि लग्न शुरु हुए।

प्रस्ताव

"सम्मेलन सभी समाज बंधुओं से अनुरोध करता है कि इन मुद्दों (समाज में गिरते नैतिक एवं सामाजिक मुल्य बोध, बुजुर्गों की अवहेलना, धन का बढ़ता प्रभाव, बिखरते परिवार, आपसी रिश्तों में तनाव एवं बढ़ते तलाक) पर आचरण की आवश्यकता है। खासकर सम्मेलन से जुड़े सदस्यों का विशेष दायित्व बनता है वह इन मुद्दों पर समाज के लिए उदाहरण प्रस्तुत करें।"

"अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं उसके सभी प्रांतीय/जिला/नगर/ग्राम, हर स्तर के सदस्य ऐसे किसी वैवाहिक समारोंह में शामिल नहीं होंगे जहाँ कॉकटेल (मद्यपान) की व्यवस्था रहेगी। निमंत्रण प्राप्त होने पर वर-वधू को आर्शिवाद का पत्र लिखकर उक्त कारण से समारोंह में उपस्थित नहीं होने के लिए क्षमायाचना करेंगे। विवाह-स्थल पहुँचने पर ज्ञात होने पर वें शांति एवं शालीनता पूर्वक बाहर निकल जायें। वापसी पर चाहें तो निकल आने का कारण बताते हुए अपनी असमर्थता की चर्चा करते हुए क्षमायाचना कर लें।"

किसी भी धार्मिक आयोजन में यथा विवाह एवं अन्य धार्मिक आयोजनों में मद्यपान हेतु कोई भी प्रबंध न किया जाए इसे सर्वथा निषेध किया जाय।

समाज को शर्मसार करने वाला विवाह पूर्व फोटो शूट का कार्यक्रम नहीं होना चाहिए।

वधू से संबंधित सभी कार्य स्त्री वर्ग से ही कराये जाने चाहिए।

हमें दिवा लग्नों पर विचार करना चाहिए एवं इसके लिए जागरुकता अभियान चलाया जाना चाहिए।

प्रस्ताव - ६
वैवाहिक परिकोष्ट एवं टूटते रिश्ते
प्रस्तावना

अपने समाज में पहले बहुत कम आयु में शादी हो जाती थी तब सम्मेलन का प्रयास था कि लोगों को जागरुक करें कि नाबालिक बच्चों की शादी नहीं करनी चाहिए पर अब परिस्थितियाँ बिल्कुल विपरीत हो गई है जो बहुत चिंतनीय है।

प्रस्ताव

विवाह के लिए संबंध खोजना भी बहुत मुश्किल हो गया है, लड़के एवं लड़कियों दोनों पक्ष ही परेशान है, इसलिए सम्मेलन को समर्पित बुजुर्गों से सलाह एवं मार्गदर्शन से एक वैवाहिक परिकोष्ट की स्थापना एवं संचालन करना चाहिए।

आजकल लड़के एवं लड़कियों में अपने बड़प्पन की भावना बहुत आ गयी है। लड़को में तो पहले भी रहती थी परन्तु फिर भी आपसी तालमेल बैठाकर जीवन की गाड़ी आराम से चलती रहती थी। लड़कियों में सहनशीलता होती थी। आजकल लड़कियां अच्छी नौकरी कर रही हैं। इसलिए वे अपनी बात ऊपर रखना चाहती हैं, चाहे वे सही हो या गलत। यही रिश्ते टूटने का कारण बनता है, इसके अलावा शादि के बाद लड़की की माँ का बेटी के ससुराल के मामलो में अनावश्यक हस्तक्षेप भी रिश्तों में बिखराव का कारण बनता जा रहा है, जिसे रोकने का प्रयास होना चाहिए।

सम्मेलन को प्रबुद्ध एवं प्रभावशाली लोगों की समिति बनानी चाहिए जो आपस में मैतक्य का काम करें। तलाक के लिए कचहरी में न जाकर मैतक्य के लिए सम्मेलन में आए ऐसा प्रचार करना चाहिए। अन्य समाज के अच्छे कौंसिलर को भी समिति में शामिल किया जा सकता है या उन्हें विशेष आमंत्रित किया जा सकता है। यदि किसी कारणवश तारतम्य संभव नहीं हो तो आपसी सहमति से तलाक होकर दोनों को नई जिंदगी मिलनी चाहिए।

प्रस्ताव - ७
संविधान संशोधन
प्रस्तावना

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के सत्र २०२३-२५ के दौरान गत अधिवेशन में पारित प्रस्ताव के मद्देनजर प्रांतो एवं सदस्यों से आए सुझावों पर विस्तृत विचार-विमर्श कर सम्मेलन के नियमों में समय अनुकूल परिवर्तन करते हुए संविधान में कतिपय संशोधन किए गए। सम्मेलन की संविधान संशोधन उपसमिति की बैठकों में इन संशोधन पर गहन मंथन के पश्चात उनकी अनुशंसा की गई। तत्पश्चात दिनांकः ८ सितंबर २०२४ को आयोजित अखिल भारतीय समिति की बैठक में इन्हें पारित किया गया।

प्रस्ताव

राष्ट्रीय अधिवेशन की स्वीकृति के उपरांत संशोधित संविधान पूर्ण रूप से पारित कर दी गई है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष का अभिभाषण

सम्मानीय पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षगण श्री संतोष सराफ, श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया महोदय, सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका, निवर्तमान राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी महोदय, २८वें राष्ट्रीय अधिवेशन के स्वागताध्यक्ष डॉ. श्याम सुंदर अग्रवाल एवं संयोजक एवं सहभागी श्री राज कुमार मिश्रा, दिल्ली के प्रांतीय अध्यक्ष श्री राजेश सिंघल, पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष श्री लक्ष्मीपत भूतोड़िया, सम्मानीय अतिथिगण, प्रदेशों से पधारे प्रतिनिधिगण, उपस्थित बहनों, भाईयों एवं साथियों,

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के २८वें राष्ट्रीय अधिवेशन में मैं आप सबका हार्दिक स्वागत करता हूँ एवं आपकी गरिमामयी उपस्थिति हेतु आभार व्यक्त करता हूँ।

भारत की प्रशासनिक राजधानी दिल्ली में आज का यह आयोजन विशेष महत्व का है। मारवाड़ी समाज का एक विशिष्ट इतिहास रहा है। महात्मा गांधी ने मारवाड़ी समाज के विषय में कहा था कि "कोई अन्य समुदाय आपकी देशभक्ति एवं त्याग की तुलना में खड़ा नहीं हो सकता। मेरा आप पर पूर्ण विश्वास है। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात राष्ट्रनिर्माण में भी मारवाड़ी समाज की अप्रतिम भूमिका रही। उद्योगों की स्थापना कर राष्ट्र को विभिन्न क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बनाने से लेकर रोजगार-सृजन में भी समाज अग्रणी रहा है। तथापि कुछ दशकों पूर्व तक मारवाड़ी समाज की पहचान मुख्यतः उद्योग-व्यापार तक ही रही। यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि अब समाज के युवक-युवतियाँ, अपने परम्परागत क्षेत्रों से बाहर निकल कर चार्टर्ड एकाउटेंट, वकालत, विभिन्न सरकारी-गैर सरकारी नौकरियों, लेखन-पत्रकारिता, मनोरंजन, खेल आदि जीवन के हर क्षेत्र में अपनी सफलता का परचम लहरा रहे है। यह अत्यंत सुखद है कि 'समय के साथ चले समाज, पर अतीत पर रहे नाज'!

यह संस्था राजस्थान, हरियाणा, मालवा एवं उनके निकवर्ती भू-भागों के रहन-सहन, भाषा एवं संस्कृति वाले सभी प्रवासी मारवाड़ियों की है जों स्वयं अथवा उनके पूर्वज देश या विदेश के किसी भी भाग में बसे हों उनकी एकमात्र प्रतिनिधि संस्था है। जिसकी स्थापना १९३५ में हमारे मनीषियों द्वारा की गई।

सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य समाज-सुधार, समाज विकास एवं राष्ट्र निर्माण है। आज समयानुसार शादियों में प्री-वेडिंग, मद्यपान जैसी कुरीतियाँ बढ़ गई है। शादि-विवाह एक पवित्र बंधन होता है। जिसमें अपने देवी देवताओं की पूजा होती है। उसमें मद्यपान होना बहुत ही गलत बात है। उन्होंने कहा कि आज सम्मेलन के कई ऐसे प्रोजेक्ट चल रहे है उसको आगे बढ़ाना है। सम्मेलन हमारे लिए बहुत कुछ कर रहा है। हमें भी सम्मेलन के लिए कुछ करना चाहिए। मैं सभी पदाधिकारियों के साथ मिलकर काम करना चाहुँगा।

यह सही है कि समय के साथ जहाँ इस समाज में प्रगति हुई है उसी तरह इसमें नई-नई कुरीतियाँ एवं विसंगतियाँ भी प्रविष्ट हुई है। समाज के बहुत से लोग धन का अपव्यय कर रहे हैं। पारिवारिक विसंगतियाँ, सामाजिक समारोंहो में दिन-प्रतिदिन दिखावा और आडंबर का खुला प्रदर्शन हो रहा है। शादियों में शराब की पार्टी आवश्यक होती जा रही हैं। दहेज अब डंके की चोट पर तो नहीं मगर सामाजिक हैसियत के अनुरुप देने की बाध्यता बन रही हैं। शादियों में बेहिसाब खर्च करके अपना रुतबा दिखाने की होड़ है, हालांकि कटु सत्य यह भी है कि पहले की तुलना में मारवाड़ी समाज के लोग अधिक ऋणी हो रहे है। अक्सर घाटे के चलते व्यवसायिक प्रतिष्ठानों की प्रतिष्ठा पर आंच आने की खबर मिलती रहती है।

समय का तकाजा है कि हम अपने समाज की खूबियों के साथ-साथ उसकी खामियों का चिंतन करें और निरंतर उन खामियों के प्रति लोंगो का ध्यान आकृष्ट करें जिससे लोग वक्त से पहले संभल जाएँ। समय-समय पर विचार-गोष्ठियों का आयोजन करके समाज के आम आदमी की भावना को सुनने का अवसर निकालें जिससे परिवर्तन की सही व्याख्या की जा सके।

स्वतंत्रता आंदोलन में जिस तरह से अपने समाज के पुरुषों की सहभागिता रही। उसी प्रकार अपने समाज की महिलाओं ने भी बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। जिसका उदाहरण है। कुसुम देवी, जानकी देवी बजाज, इदुमती गोयनका, कमला देवी तथा सरस्वती गाड़ोदिया जैसे अनेकों नाम है।

महिला सशक्तिकरण को कई तरीकों से परिभाषित किया जा सकता है। जिसमें महिलाओं के दृष्टिकोण को स्वीकार करना, उन्हें जानने का प्रयास करना और शिक्षा, जागरुकता, साक्षरता, समाज में समान दर्जा, बेहतर आजीविका और प्रशिक्षण के माध्यम से महिलाओं की स्थिति को ऊपर उठाना शामिल है। क्योंकि किसी भी परिवार की विरासत, उसकी संस्कृति, उसके संस्कारो की चाबी महिलाओं के सानिध्य से होकर गुजरती है। किसी भी परिवार में महिलाओं की सहभागिता के बगैर वो परिवार कभी संपूर्ण नहीं बन सकता। परिवार में महिलाएं रीढ़ की हड्डी का काम करती है। क्योंकि महिलाएं परिवार के प्रत्येक सदस्य का ख्याल रखती है। सिर्फ यहीं नहीं ये एक पीढ़ी से दूसरे पीढ़ी में संस्कार-संस्कृति एवं चेतना को हस्तानांरण का कार्य भी करती है। इनके बगैर संस्कार

एवं संस्कृति की केवल कल्पना ही की जा सकती है। महिलाएं ही है जो हमारे घरों में विरासत को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में ले जाती है। आज का दौर जिसे हम सभी पाश्चात्य सभ्यता के अधीन होते देख रहे है। ऐसी परिस्थितियों में हमें महिलाओं से आग्रह कर अपने-अपने घरों में पूरी शक्ति से इसका विरोध करने के लिए प्रेरित करें साथ ही हमें उनको इसमें अपनी सहयोगिता भी प्रदान करें। महिलाएं परिवार सदस्यों, परिवारों एवं समाज के बीच संस्कृति एवं संस्कारों की ध्वजारोहक होती है। हमें उनके प्रति सम्मान एवं सद्भावना का भाव रखना चाहिए।

बात करते है **युवा वर्ग** की - किसी भी देश की युवा पीढ़ी उसकी सबसे महत्वपूर्ण संपत्ति होती है। युवा पीढ़ी, पूरे राष्ट्र के लिए पूरी दुनिया पर अपनी छाप छोड़ने का अवसर होती है। यह सुनिश्चित करें कि किसी भी राष्ट्र के युवा हर गुजरते दिन कि साथ बढ़ते रहें और कुछ बेहतरीन उपलब्धियाँ हासिल करें जो उनके देश को शीर्ष पर पहुचा सके, राष्ट्र उनके साथ पुनर्निर्माण और विकास कर सकता है।

युवा समाज का भविष्य हैं। युवा पीढ़ी को बस समाज की वर्तमान स्थिति को नवीनीकृत, ताजा बनाए रखने की आवश्यकता है। जब युवा सामाजिक मुद्दों को सुलझाने के लिए अपने विचारों और उर्जा का योगदान देते है, तो वे एक सक्षम नेता बनते हैं और दूसरों के जीवन में भी बदलाव जा सकते हैं। उनमें समाज को त्रस्त कर रहे शोकाकुल विरोधाभासों को सुलझाने का साहस होना चाहिए। युवाओं की महिमा की बराबरी कोई नहीं कर सकता। युवा होना अपने आप में किसी भी शक्तिशाली व्यक्ति से कहीं अधिक अमुल्य निधि का स्वामी होना है। ये हमारी जिम्मेदारी है कि उन्हें सही संसाधन, मार्गदर्शन और एक अच्छे वातावरण प्रदान करें ताकि वे समाज में बदलाव के सशक्त वाहक बनें। कहते हैं कि सबसे शक्तिशाली शक्ति युवा शक्ति होती है। और यह सच भी है क्योंकि किसी भी राष्ट्र के युवाओं में जो शक्ति और सामर्थ होता है, वह अद्वितीय होता है और न केवल उन्हें, बल्कि उनके आसपास के लोगों को भी आगे बढ़ने और विकसीत होने का अवसर प्रदान करता है।

युवा के बाद अब बात करते है, बच्चों कि, **बच्चों में संस्कार** और शिष्टाचार उसके खुद के जीवन की ही नहीं बल्कि पूरे समाज की दिशा और दशा तय करती है। बच्चों में संस्कार और शिष्टाचार उनके माता-पिता से आते हैं और इनको विकसित करने में उनकी बहुत बड़ी भूमिका होती है। बचपन में दी गई शिक्षा व्यक्ति के साथ आजीवन रहती है, इसलिए बच्चों को सही दिशा देना बहुत जरुरी हैं। उनको हमें विरासत में मिले अपने संस्कार-संस्कृति से अवगत कराना भी हमारा कर्तव्य है। आज के दौर में उन्हें हमारी विरासतों को सहेजने एवं उस पर अमल करने की बातों को अच्छे से समझाने की भी आवश्यकता है। आज बच्चों पर पढ़ाई में अच्छे नम्बर अच्छे ग्रेड लाने का दबाव बनाया जाता है और वे इसी मानसिक दबाव से दबते चले जाते है। बच्चों के माता-पिता को इस बात का खास ख्याल रखना चाहिए, उनसे बातें करनी चाहिए, उनकी रोज की कार्यशैली को समझना चाहिए, अगर बच्चें बड़े हो तो उनके साथ मित्रता का स्वभाव रखना चाहिए ताकि वे अपनी मानसिक तनाव एवं अपनी चिंताओं को आपसे साझा कर सके। साथ ही उनको स्पोर्ट्स प्रतियोगिता, डिबेट प्रतियोगिता समय-समय पर करियर काउंसिलिंग, मोटिवेशनल कार्यक्रम एवं तकनीकि ज्ञान केंद्र में जाने के लिए कहें या फिर अनके साथ जाए। उनके मनोविचारों पर दबाव ना पड़े उसके लिए कही भी पिकनीक अथवा घूमने, सैर-सपाटे पर ले जाए।

हमें एक **प्रोफेशनल टीम** के गठन की आवश्यकता है। इसकी जरुरत इसलिए पड़ती है क्योंकि यह समन्वित प्रयासों के माध्यम से साझा लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करता है, व्यक्तिगत शक्तियों का लाभ उठाता है और रचनात्मक और नवाचार को बढ़ावा देता है। टीम वर्क से बेहतर निर्णय लिए जाते है, जिससे अंततः किसी भी क्षेत्र में सफलता मिलती है। उस टीम का गठन के कुछ प्रमुख कारण भी है जैसे - **साझा लक्ष्य और सहयोग** - एक प्रोफेशनल टीम एक ही लक्ष्य की दिशा में मिलकर काम करती है, जिससे कार्यों को अधिक कुशलता से पूरा किया जा सकता है और बाधाओं को दूर किया जा सकता है। **विविधता और कौशल का लाभ** - टीम में विभिन्न पृष्ठभूमि, अनुभवी और कौशल वाले लोग शामिल होते हैं, जो एक-दूसरे के विचारों और क्षमताओं का लाभ उठाकर बेहतर समाधान निकाल सकते हैं। **बढ़ी हुई उत्पादकता** - जब लोग एक टीम के रुप में काम करते हैं, तो वे अपनी उर्जा और संसाधनों को एक सामान्य उद्देश के लिए केंद्रित करते हैं, जिससे कार्यकुशलता और उत्पादकता में वृद्धि होती है। **नवाचार और रचनात्मकता** - विभिन्न दृष्टिकोणों के एक साथ आने से नए विचारों का जन्म होता है, जो रचनात्मकता और नवाचार को बढ़ावा देता है। **बेहतर और समर्थन** - विभिन्न सदस्यों की अंतर्दृष्टि और ज्ञान से टीम को अधिक सूचित और प्रभावी निर्णय लेने में मदद मिलती है। **प्रेरणा और समर्थन** - टीम के सदस्यों को एक-दूसरे से समर्थन और प्रोत्साहन मिलता है, जिससे आत्मविश्वास बढ़ता है और चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रेरणा मिलती है। टीम के सदस्यों को एक-दूसरे से सीखने और अपने कौशल को विकसीत करने का अवसर मिलता है, जिससे व्यक्तिगत उन्नति होती है।

भारतीय त्योहारों का महत्व धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक परंपराओं को बनाए रखने से कही बढ़कर है; ये सामाजिक एकता, भाईचारे और पारिवारिक संबंधो को मजबुत करते हैं, देश की विविधता में एकता को दर्शाते हैं, और अर्थव्यवस्था में योगदान देते हैं। त्योहार लोगों को तनाव ये दूर ले जाते हैं, उन्हें अपनी धरोहर से जोड़ते है, और बच्चों के व्यक्तित्व व भाषा विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भारतीय त्योहारों के कुछ महत्वपूर्ण महत्व भी हैं जैसे - **धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व** - त्योहार धार्मिक अनुष्ठानों और परंपराओं को बनाए रखने का माध्यम हैं, जिससे आस्था का प्रसार होता है। **सांस्कृतिक धरोहर का संरक्षण** - हर त्योहार भारतीय संस्कृति और परंपराओं को जीवित रखता है, और युवा पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ता है। **सामाजिक एकता और भाईचारा** - त्योहार सभी समुदायों के लोगों को एक साथ लाकर मतभेदों को भुलाने और प्रेम व सोहार्द का वातावरण बनाने का अवसर देते है। **पारिवारिक बंधन मजबूत करना** - ये उत्सव

परिवार के सदस्यों को एक साथ लाते है, जिससे उनके आपसी संबंध मजबूत होते हैं और पारिवारिक बंधन प्रगाढ़ होते है। **आर्थिक गतिविधियों में उछाल** - त्योहारों के दौरान छोटे व्यापारियों से लेकर बड़े उद्योगों तक सभी को लाभ होता है, जिससे अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलता है। **मानसिक शांति और उल्लास** - त्योहार जीवन में परिवर्तन और उल्लास लाते हैं, और मानसिक शांति प्रदान करतें है। **तनाव और कठिनाईयों से मुक्ति** - ये उत्सव लोगों को दिनचर्या की कठिनाइयों और तनाव को भुलाने का एक तरीका प्रदान करते हैं। **व्यक्तित्व विकास** - त्योहार बच्चों के समग्र विकास को एक पोषणदायक और सकारात्मक वातावरण में बढ़ावा देते है। **विविधता में एकता** - राष्ट्रीय त्योहार, जैसे स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस लोगों को एकजूट करते हैं और भारत की विविध संस्कृति का प्रतीक हैं।

आज की वैश्विक दुनिया में, सांस्कृतिक परंपराओं को बनाए रखने से बच्चों को अपनी जड़ो और अपने अस्तित्व को समझने में मदद मिलती हैं। भारतीय त्योहार बच्चों को अपनी विरासत को संजोए रखने और उसे आने वाली पीढ़ियों तक पहूँचाने में मदद करते हैं। इस प्रकार, ये उत्सव केवल उत्सव से आगे बढ़कर एक ऐसा माध्यम बन जाते हैं जिसके माध्यम से बच्चे के व्यक्तित्व का विकास होता है, मूल्य सिखाए जाते हैं और जीवन के सबक सीखे जाते हैं।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की पूरे भारतवर्ष में २५ राज्यों में लगभग ४०० से अधिक शाखाएं स्थापित हुई है। मैं धन्यवाद देना चाहूँगा गत सत्र में राष्ट्रीय अध्यक्ष रहें श्री शिव कुमार लोहिया एवं उनकी पूरी टीम को जिन्होंने १०० शाखाएं खोलने का लक्ष्य लेकर चला और उनमें से ८० शाखाओं को खोलने का कार्य पूरा किया एवं मैं सीताराम रुँगटा सम्मेलन भवन के निर्माण हेतु पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नन्द लाल रुँगटा को उनके योगदान हेतु आभार प्रकट करता हूँ। साथ ही आपको यहाँ बताना चाहता हूँ कि पंजाब प्रांत में अमृतसर शाखा का गठन किया जा चुका है।

अब मैं बात करुँगा **सदस्यता विस्तार** पर, किसी भी संगठन को दीर्घकालिक चलाने के लिए कार्यकर्ता का बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान होता है। पिछले सत्र में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया के नेतृत्व में सम्मेलन ने उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की, संगठन-विस्तार के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति हुई, हार्दिक बधाई! मेरा सौभाग्य है कि इस सफल टीम में मैं भी सम्मिलित था और यथासंभव योगदान का मुझे भी अवसर मिला।

आगामी सत्र में **संगठन-विस्तार** के साथ-साथ हरेक क्षेत्र में कार्यक्रमों की गतिशीलता बनाये रखना और बढ़ाना मेरी प्राथमिकता होगी। सम्मेलन के लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु किसी भी प्रांत, प्रमंडल, जिला, ग्राम स्तर तक जहाँ कही भी मारवाड़ी हों, उनसे संवाद स्थापित करना, ज्वलंत मुद्दों के प्रति अपने युवक- युवतियों के प्रति, किशोर-किशोरियों को सजग-शिक्षित करना और सम्मेलन के ध्येय वाक्य **'म्हारों लक्ष्य-राष्ट्र री प्रगति'** को अग्रगति प्रदान करते हुए इस सत्र के नारा : **'म्हारी चाह संगठित समाज'** को आगे बढ़ाना है।

इसके अलावा भी समाज में कुछ महत्वपूर्ण लक्ष्यों पर हमें मिलकर कार्य करने की आवश्कता है जैसे **अंतरराष्ट्रीय समुदाय** को जोड़ने का प्रयास। अपने देश के अलावा विदेशों में अपने समाज के जो लोंग आज रहते है, उनको अपने समाज मे शामिल करना। उनकी सक्रियता एवं भागीदारी से सम्मेलन के लक्ष्यों को साधना।

रोजगार सहयोग में अपने समाज ने सिर्फ देश ही नहीं विदेशों में भी सहायता प्रदान की है। आज देश की बहुप्रतिष्ठित कंपनियाँ देश के साथ-साथ विदेशों में भी रोजगार उपलब्ध करवाती है। अपने सम्मेलन द्वारा भी रोजगार सहयोग कार्यक्रम संचालित है। जो गत सत्र के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री दिनेश जैन जी के सराहनीय योगदान की बदौलत आज करीब ४५० से ज्यादा रोजगार उपलब्ध करायें गये। उनको मेरा धन्यवाद। आगे भी ऐसे अवसर तलाशने की आवश्यकता है जिससे ये आकड़े तीन के बजाय चार अंको में पहूँचे।

अब बात करते है **शिक्षा कोष** की - अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के बुद्धिजीवियों के द्वारा उच्च शिक्षा कोष का गठन किया गया। आज इस संस्था द्वारा पूरे भारतवर्ष के बच्चों को जो आर्थिक तंगी की वजह से अपनी क्षमताओं को आगे नहीं बढ़ा सकते थे। उनके लिए इस शिक्षा कोष का गठन किया गया। आज मुझे खुशी है कि इस कोष द्वारा ४ करोड़ से अधिक की राशि के अनुदान से जरुरतमंद बच्चों के सपने पूरे हुए और पूरे हो रहे है। इसको ऐसे ही निरंतर जारी रखने का प्रयास करता रहूँगा। जिससे समाज के और बहुत से बच्चों का भला हो सके।

भारतीय समाज में प्राचीन काल से ही **स्वास्थ्य** हेतु पीड़ितो व रोगियों की सहायता व सेवा का प्रचलन रहा है और हर व्यक्ति एक-दूसरे की सेवा करना अपना उत्तरदायित्व समझता रहा है। परंपरागत समाजसेवी मानवता के आधार पर आश्रम विद्यालय, चिकित्सालय आदि के माध्यम से जनसाधारण की सेवा करनी हैं। सम्मेलन द्वारा पिछले सत्र में कई महत्वपूर्ण कार्य किए गए। उनको निरंतर गति प्रदान करना यही मेरा कर्तव्य होगा।

इन सभी मानको को पूरा करने हेतु आगामी सत्र में एक **विशिष्ट सलाहकार समिति** का गठन करने का निर्णय लिया है। विशिष्ट सलाहकार समिति किसी व्यवसाय, निगम या संगठन को विशेषज्ञ सलाह और अंतर्दृष्टि प्रदान करती है। सलाहकार समिति एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। समिति की भूमिका केवल परामर्श देने तक ही सीमित नहीं होगी, बल्कि वे रणनीति बनाने, जोखिमों की पहचान करने और प्रभावी प्रशासन को बढ़ावा देने में भी सहायक होगी। जिससे संगठनात्मक सफलता में वृद्धि होगी।

इस सामाजिक रुपी यज्ञ में आपके आशिर्वाद, स्नेह, समर्थन और सर्वरुपेण सहयोग की कामना करते है। हम अपने लक्ष्यों की प्राप्ति में सफल होंगे।

हम सबको मिलकर कार्य करना है - महिला सम्मेलन, युवा मंच व अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन सब एक हैं।

आने वाला भविष्य बहुत उज्जवल है। हम सब को मिल-जुलकर इस उज्जवलता का एहसास सबको कराना है।

कोई पिछड़ ना जाए, हमसे काई बिछड़ न जाए, - आईये इस भावना से हम काम करें और आगे बढ़ते रहें। आप सब से मुझे मिलने का मौका दिया, और मुझे सुना इसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद!

जय हिंद! जय समाज!

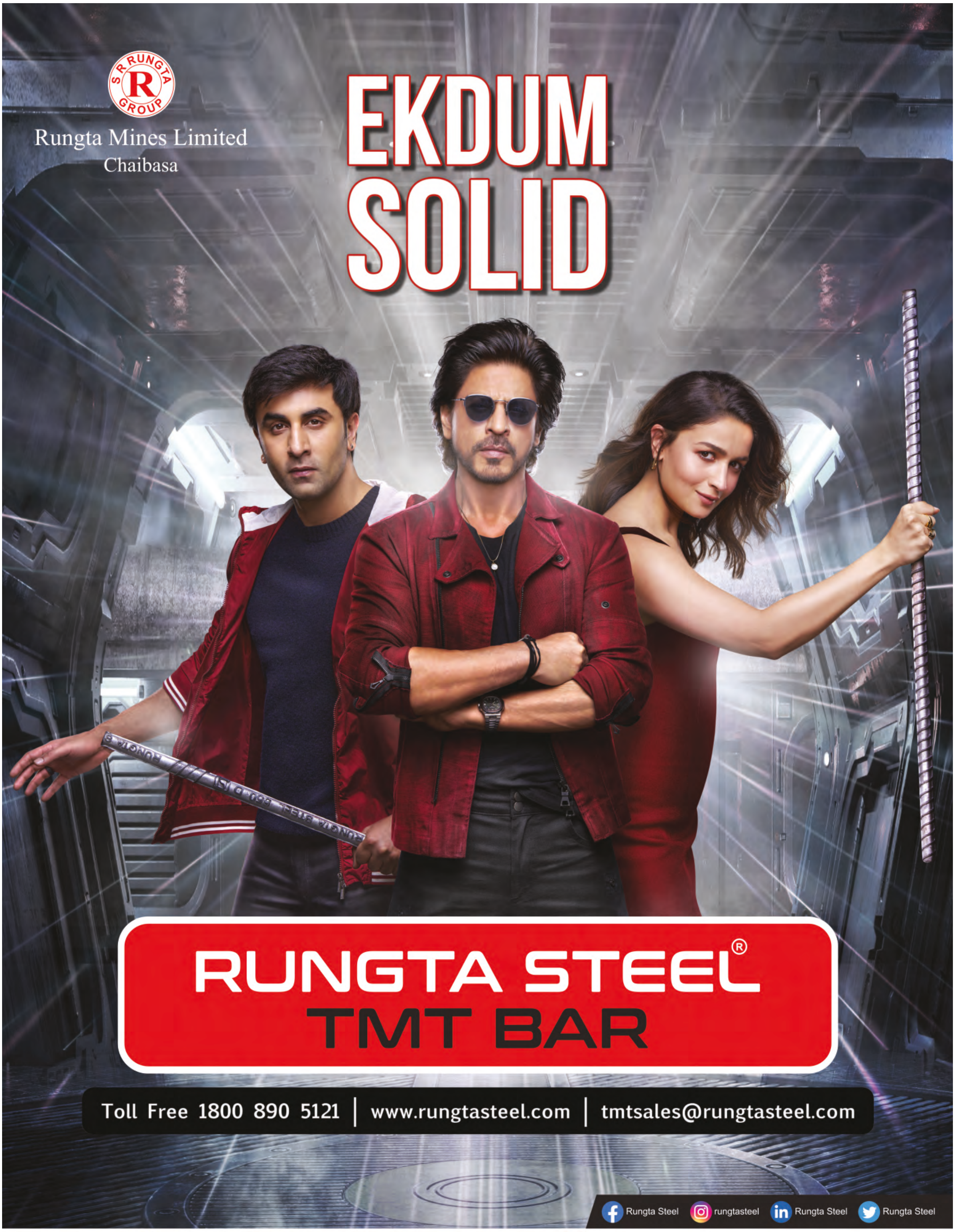

Rungta Office, Nagpur Parishad Complex, Chaibasa, Jharkhand-833201

थाली में झूठा भोजन छोड़ने के दुष्प्रभाव

रामायण के अनुसार, जब हनुमानजी रावण की रसोई में पहुँचे, तो उन्होंने रावण की झूठी थाली में दही छोड़ा हुआ देखा। तभी वे समझ गए कदि रावण की मृत्यु निकट है। शास्त्रों के अनुसार, भोजन में झूठा छोड़ने से आयु कम होती हैं।

हमारे पूर्वज भोजन के प्रति श्रद्धा रखते थे और झूठा न छोड़ने के लिए थाली में पानी डालकर झूठन को घोलकर पी लेते थे। विद्वानों का मानना है कि ऐसा करने से मां अन्नपूर्णा और मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं, जबकि झूठन छोड़ना उनका अपमान माना जाता है, जिससे आर्थिक स्थिति कमजोर होती है और घर की लक्ष्मी भी रूठ जाती हैं।

शास्त्रों के अनुसार झूठन छोड़ने के दुष्प्रभाव :

बच्चों की पढ़ाई में रुचि कम हो जाती हैं।

शनि और चंद्रमा का प्रकोप बढ़ता है, जिससे मानसिक परेशानियां हो सकती हैं।

यात्रा के दौरान झूठन फेंकने से बनते काम भी बिगड़ने लगते हैं। यह पाप का कारण बनता है, जिससे जीवन में नकारात्मकता बढ़ती हैं।

इसलिए भोजन उतना ही लें, जितना खा सकें। यदि भोजन बच जाए, तो हाथ जोड़कर मां अन्नपूर्णा से क्षमा मांगें और आगे से सतर्क रहें।

दिल से निकली नमस्ते

जब हम किसी को "नमस्ते" कहते हैं, तो हम सिर झुकाकर यह कहते हैं – "आपके भीतर जो भगवान हैं, उन्हें मैं प्रणाम करता हूँ।"

नमस्ते कोई केवल हाथ जोड़ना नहीं है, यह आदर है, प्रेम है, और सद्भाव का तरीका है।

जब हम "नमस्ते" कहते हैं, तो सामने वाले को खुशी होती है और हमारा मन भी शांत हो जाता है।

हाथ जोड़ने से हमारी 'दोनों ऊर्जा रेखाएं' जुड़ती हैं, जिससे मन में एक अच्छा भाव पैदा होता है। तो याद रखो – जब भी किसी से मिलो, प्यार से कहो – "नमस्ते!"

यह एक छोटा सा शब्द है, लेकिन बहुत बड़ी बात कहता है। **नमस्ते करो, अपनापन बढ़ाओ।**

'तिलक लगाने का अर्थ और आज्ञा चक्र से उसका संबंध'

हमारे सनातन धर्म में तिलक लगाना केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि गहरी आध्यात्मिक चेतना और वैज्ञानिक सोच का प्रतीक है। माथे के बीचोंबीच, दोनों भौंहों के बीच का स्थान – जिसे भ्रूमध्य कहा जाता है – वहां तिलक लगाया जाता है। यही स्थान 'आज्ञा चक्र' कहलाता है।

आज्ञा चक्र शरीर के सात प्रमुख ऊर्जा केंद्रों (चक्रों) में से छठा चक्र है। इसे 'तीसरी आंख' भी कहते हैं। यह अंतर्ज्ञान, विवेक, आत्मचिंतन और ब्रह्मज्ञान का केंद्र होता है।

जब कोई व्यक्ति श्रद्धा से तिलक लगाता है, तो वह न केवल अपने शरीर को धार्मिक चिन्ह से सजाता है, बल्कि अपनी आंतरिक चेतना को भी स्पर्श करता है।

इस स्थान पर तिलक लगाने से मानसिक एकाग्रता बढ़ती है, तनाव कम होता है और आत्मबल में वृद्धि होती हैं।

तिलक लगाने वाले पदार्थ – जैसे चंदन, कुमकुम, भस्म, रोली या सिंदूर – सभी शीतलता और ऊर्जा को स्थिर करने वाले होते हैं। ये शरीर की ऊर्जा को नियंत्रित करते हैं और नकारात्मक प्रभावों से रक्षा करते हैं।

आयुर्वेद के अनुसार यह स्थान अत्यंत संवेदनशील होता है। यहां तिलक लगाने से 'पीनियल ग्रंथि' (Pineal gland) सक्रीय होती है, जो मेलाटोनिन हार्मोन का निर्माण करती है – जो मन को शांत और ध्यान की स्थिति में पहुँचाने में सहायक होता है।

इसे 'आज्ञा' चक्र इसलिए कहते हैं क्योंकि यहीं से हम गुरु, शास्त्र और ईश्वर की आज्ञा को ग्रहण करते हैं और विवेकपूर्वक उस पर अमल करते हैं।

इसीलिए तिलक केवल शरीर पर लगाया जाने वाला एक रंग नहीं, बल्कि आत्मा को जाग्रत करने की एक विधि हैं।

यह हमारी संस्कृति, साधना और विज्ञान – तीनों का अद्भुत संगम है।

* जब अगली बार तिलक लगाएं, तो केवल रीति के रूप में नहीं – बल्कि आत्मज्ञान और ऊर्जा जागरण की भावना के साथ लगाएं। यही सच्ची परंपरा है। *

भगवान को भोग

क्या भगवान हमारे द्वारा चढ़ाया गया भोग खाते हैं?
यदि खाते हैं, तो वह वस्तु समाप्त क्यों नहीं हो जाती?
और यदि नहीं खाते हैं, तो भोग लगाने का क्या लाभ?

एक लड़के ने पाठ के बीच में अपने गुरु से यह प्रश्न किया।

गुरु ने तत्काल कोई उत्तर नहीं दिया।

वे पूर्ववत् पाठ पढ़ाते रहे

उस दिन उन्होंने पाठ के अन्त में एक श्लोक पढ़ाया:

पूर्णमदः पूर्णमिदं पूर्णात् पूर्णमुदच्यते।
पूर्णस्य पूर्णमादाय पूर्णमेवावशिष्यते।।

पाठ पूरा होने के बाद गुरु ने शिष्यों से कहा कि वे पुस्तक देखकर श्लोक कंठस्थ कर लें।

एक घंटे बाद गुरु ने प्रश्न करने वाले शिष्य से पूछा कि उसे श्लोक कंठस्थ हुआ कि नहीं? उस शिष्य ने पूरा श्लोक शुद्ध-शुद्ध गुरु को सुना दिया।

फिर भी गुरु ने सिर 'नहीं' में हिलाया, तो शिष्य ने कहा कि "वे चाहें, तो पुस्तक देख लें; श्लोक बिल्कुल शुद्ध है।"

गुरु ने पुस्तक देखते हुए कहा "श्लोक तो पुस्तक में ही है, तो तुम्हारे दिमाग में कैसे चला गया?" शिष्य कुछ भी उत्तर नहीं दे पाया।

तब गुरु ने कहा "पुस्तक में जो श्लोक है, वह स्थूल रूप में है। तुमने जब श्लोक पढ़ा, तो वह सूक्ष्म रूप में तुम्हारे दिमाग में प्रवेश कर गया, उसी सूक्ष्म रूप में वह तुम्हारे मस्तिष्क में रहता है। और जब तुमने इसको पढ़कर कंठस्थ कर लिया, तब भी पुस्तक के स्थूल रूप के श्लोक में कोई कमी नहीं आई।

इसी प्रकार पूरे विश्व में व्याप्त परमात्मा हमारे द्वारा चढ़ाए गए निवेदन को सूक्ष्म रूप में ग्रहण करते हैं, और इससे स्थूल रूप के वस्तु में कोई कमी नहीं होती। उसी को हम 'प्रसाद' के रूप में ग्रहण करते हैं।

शिष्य को उसके प्रश्न का उत्तर मिल गया।

भोजन से पहले मंत्र क्यों?

भोजन मंत्र बोलने की परंपरा केवल धार्मिक आस्था नहीं, बल्कि आभार प्रकट करने, मन को शांत करने और भोजन को पवित्र भाव से ग्रहण करने का एक माध्यम है। यह मंत्र हमें यह स्मरण कराता है कि अन्न परमात्मा की देन है और उसका उपयोग ध्यानपूर्वक और कृतज्ञता के साथ होना चाहिए। वैज्ञानिक दृष्टिसे भी, मंत्रोच्चारण से मन एकाग्र होता है, पाचन क्रिया बेहतर होती है और शरीर व मन में संतुलन बना रहता है। यह भोजन को 'प्रसाद' की तरह ग्रहण करने की शुभ शुरुआत है।

मंत्र से भोजन बनता यज्ञ।

रामार्यो

आज मुझे मां की याद आ गई, इस शब्द को सुनकर।

क्योंकि मुझे यह हमेशा गुस्से में राम मारियो कहती थी और जब मैंने पूछा कि, मां इस राम मारियो का मतलब क्या होता है? तब उन्होंने यह मतलब समझाया था।

'रामार्यो मतलब राम मारियो जिसका मतलब होता है, राम ने जिस को मारा था मतलब रावण'।

'हमारे सनातन धर्म की खूबसूरती देखिए, मारवाड़ी महिलाएं सीधे-सीधे रावण न कहकर, राममारियो कहती हैं, जिससे कि किसी न किसी बहाने उनके मुंह में राक्षस का नाम आने की जगह राम का नाम तो आए।'

प्रकृति से दोस्ती जरूरी है

गांव की खुली हवा, मिट्टी की सोंधी खुशबू, पशु-पक्षियों की आवाज़ें – ये सब बच्चों के जीवन का हिस्सा थीं, पर अब धीरे-धीरे उनसे दूर होती जा रही हैं। बच्चे अगर हर दिन थोड़ा समय पेड़-पौधों, गायों और मिट्टी के साथ बिताएं, तो उनका मन भी शांत होगा और शरीर भी स्वस्थ। प्राकृतिक जीवन बच्चों को केवल आनंद नहीं देता, बल्कि उन्हें सहनशील, जिम्मेदार और संवेदनशील इंसान भी बनाता है। आज की सबसे बड़ी ज़रूरत यही है – बच्चों को फिर से प्रकृति से जोड़ना।

सबा स निवेदन है आपणां घरां में टाबरां साग़ै अर आपसरी में मायड भासा मारवाड़ी में ही बोल बतलावण करो।

पवन कुमार गोयनका
राष्ट्रीय अध्यक्ष, अ.भा.मा.स.

#मारवाड़ी_भासा_रो_हेलो

IAC
SINCE 1959

ISO 9001:2015
ISO 14001:2015
ISO 45001:2018
NABL Accredited Lab

POWERING 47 COUNTRIES ACROSS THE WORLD

IAC Electricals Pvt Ltd is the one stop solution for providing innovative product and services to the electric power utility since 1959

PRODUCTS & SERVICES OFFERED:

- INSULATOR HARDWARE FITTINGS UPTO 1200 kV HVAC & 800 kV HVDC
- AB CABLE & OPGW FITTINGS
- POLE / DISTRIBUTION LINE HARDWARE
- EARTHING, STAY & TOWER ACCESSORIES
- HTLS CONDUCTOR ACCESSORIES & SUB-ZERO HARDWARE FITTINGS
- SUBSTATION CLAMPS & CONNECTORS
- CONDUCTOR, INSULATOR & HARDWARE TESTING FACILITY
- AB CABLES, COVERED CONDUCTORS AND ADSS CABLE ACCESSORIES

Transmission and distribution line hardwares | HTLS Conductor Testing
www.iacelectricals.com info@iacelectricals.com
701, Central Plaza, 2/6, Sarat Bose Road, Kolkata – 700020

संक्षिप्त परिचय

श्री पवन कुमार गोयनका
राष्ट्रीय अध्यक्ष

अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन के निर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका का जन्म गुवाहाटी (असम) में राजस्थानी मूल निवासी प्रतिष्ठित व्यवसायी परिवार श्री हनुमान प्रसाद जी गोयनका (पिताजी) और श्रीमती कृष्णा देवी गोयनका (माता) के घर २ सितम्बर १९५९ को हुआ।

आपने प्रारंभिक, माध्यमिक शिक्षा राजस्थान में पैतृक गाँव लक्ष्मणगढ़ (सीकर) में प्राप्त की। स्कूल के समय से ही आप प्रतिभाशाली रहे, पढ़ाई के साथ-साथ अन्य सह शैक्षणिक गतिविधियों में सक्रिय रहे एवं वाद-विवाद प्रतियोगिताओं में जिलास्तर पर विजय प्राप्त की। खेलकूद, विशेष कर बैडमिंटन में राज्य स्तर तक चयन हुआ। कला, संगीत, गीतरचना एवं समाजसेवा में आपकी बचपन से ही रुची रही। स्नातक और वकालत की पढ़ाई आपने असम में पूर्ण करने के पश्चात वर्तमान में आप दिल्ली में वकालत (Taxation) के प्रोफेशन में है।

श्री गोयनका का विवाह १९८२ में श्रीमती कृष्णा गोयनका से हुआ। आज आपके परिवार में आपकी धर्मपत्नि, दो पुत्रियाँ और एक पुत्र हैं। आपके पुत्र श्रीनिर्मल गोयनका भी वकालत में प्रोफेशन में हैं और भारत के सर्वोच्च न्यायालय में "अधिवक्ता ऑन रिकार्ड" हैं। अपने बड़े भाईयों को पिता तुल्य सम्मान देने वाले श्री गोयनका जी एक सम्पूर्ण, संस्कारी, समृद्ध, सेवाकारी परिवार के सदस्य के साथ-साथ अपनी मधुरता, सरलता, कार्यशीलता, सेवा और समर्पण के कारण समस्त मारवाड़ी समाज में अति लोकप्रिय, कर्मण और समर्पित नेतृत्व के लिए जाने जाते हैं।

श्री पवन कुमार गोयनका, अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच (पूर्व राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष) मारवाड़ी युवा मंच सेंट्रल दिल्ली (पूर्व अध्यक्ष), दिल्ली हाईकोर्ट बार एसोसिएशन, सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन, सेल्स टैक्स बार एसोसिएशन, लक्ष्मणगढ़ नागरिक परिषद् श्री अग्रसेन अपार्टमेंट, द्वारका एवं अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासभा आदि अनेकानेक संस्थाओं से जुड़े रहे एवं भिन्न-भिन्न पदों पर अपनी सेवाएँ प्रदान कर एक श्रेष्ठ उदाहरण प्रस्तुत कर चुके है। दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष के रुप में अपने दो वर्ष के कार्यकाल में कार्यकारिणी सदस्यों व समाज बंधुओं के सहयोग से ६ शाखाओं का गठन किया व बड़ी संख्या में सदस्य बनाकर श्रेष्ठ प्रांतीय अध्यक्ष होने की भूमिका निभाई।

आप गुवाहाटी स्टॉक एक्सचेंज के संस्थापक निदेशक, लियो क्लब, जेसीज क्लब, टैक्स बार एसोसिएशन, गुवाहाटी एवं गुप्ता चेम्बर्स एसोसिएशन आदि के संस्थापक सदस्य रहे।

दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन में आप लंबे समय से सक्रिय रुप से जुड़े रहे हैं। वर्ष २००७ से २०१४ तक आपने सचिव के दायित्व को बहुत प्रभावशाली तीहके से निभाया। आपकी योग्यताओं सेवाओं और उपलब्धियों के दृस्टिगत वर्ष २०१४ में सम्मेलन के प्रकल्पों और गतिविधियों को और कुशल नेतृत्व देने के लिए आपका प्रांतीय अध्यक्ष के रुप में चयन किया गया।

विगत छोटे से कार्यकाल में आपने सम्मेलन को मजबूत करने, जनसंपर्क को विस्तार देने, कार्यकर्ताओं और सहयोगियों की संख्या और सक्रियता को बढ़ाने, सामाजिक सरोकारों, मारवाड़ी समाज से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों के प्रति जागरुकता पैदा करने और सबसे महत्वपूर्ण मारवाड़ीयों को एकजुट करने के लिए कई शाखाओं, कार्यक्रमों, गोष्ठियों के आयोजन से सम्मेलन के प्रयासों को यशस्वी बनाया।

वर्ष २०१७ में आपको अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया। आपने अपने कार्यकाल के दौरान दक्षिण भारत, उत्तराखंड, झारखंड, मध्य प्रदेश एवं दिल्ली प्रदेशों में सम्मेलन के पुनर्गठन, शाखा विस्तार एवं सदस्यता विस्तार में अहम भूमिका निभाकर नए आयाम स्थापित किए। आपकी उपलब्धियों, सेवाओं, योग्यताओं एवं कार्यशीलता को देखते हुए आपको वर्ष २०२० में एकबार पुनः राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया। उस दौरान आप महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश, दिल्ली एवं उत्तराखंड के प्रभारी भी रहे।

आप सत्र २०२३-२५ में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की राष्ट्रीय समाज सुधार एंव समरसता उपसमिति के चेयरमैन, मारवाड़ी सम्मेलन फाउंडेशन के ट्रस्टी एवं अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य जैसे विभिन्न पदों को सुशोभित किया। आप अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के सत्र २०२५-२७ के लिए निर्विरोध राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित हुए। गत ६ एवं ७ सितंबर २०२५ को दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य में सम्मेलन के २८वें राष्ट्रीय अधिवेशन में आपने राष्ट्रीय अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया।

केंद्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारियों के विचार एवं सुझाव

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के २८वें राष्ट्रीय अधिवेशन में दिनांक: ७ सितंबर २०२५ को अध्यात्म साधना केंद्र, छतरपुर, दिल्ली में राष्ट्रीय पदाधिकारियों एवं प्रांतीय पदाधिकारियों की संयुक्त बैठक आयोजित कि गई। बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका ने की। श्री गोयनका ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि ६ सितम्बर की बैठक में जिन विषयों पर विमर्श हुआ, उन पर आज विस्तृत चर्चा होगी। आज यह बैठक केंद्र एव राज्य समन्वय, बच्चों के संस्कार एवं महिला सहभागिता, रोजगार सृजन और युवाओं की भूमिका, विवाह संबंधी विषय, संगठन विस्तार, त्यौहारों का सुव्यवस्थित आयोजन, प्रोफेशनल सेल का गठन के मुद्दो पर बुलाई गई है।

राष्ट्रीय महामंत्री श्री केदार नाथ गुप्ता ने प्रांतों के सभी पदाधिकारियों से अपना परिचय देने को कहा। सभी ने अपना परिचय देकर सभा को अवगत कराया।

बैठक में केंद्रीय पदाधिकारियों ने अपने विचार रखे -

सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ ने कहा कि संगठन को मजबूत करने, सम्मेलन के बदलते उद्देश्यों और आगामी २०-२५ वर्षों की आवश्यकताओं पर गहन विचार की आवश्यकता बताई।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया ने कहा कि केंद्र से प्रांतों की अपेक्षाओं को स्पष्ट करने पर जोर दिया।

निवर्तमान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री राज कुमार केडिया ने कहा कि युवा शक्ति के साथ नारी शक्ति को संस्कारों को जोड़ने से संस्कार एवं समाज मजबूत होगा।

प्रांतीय अध्यक्षों/महामंत्रियों एवं पदाधिकारियों के सुझाव -

पूर्वोत्तर के प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री विनोद लोहिया ने कहा कि १० वर्षों में मारवाड़ी समाज एक ब्रंड के रुप में कैसे उभरे उस पर विचार करना है। केंद्र की बैठकों में डाइस पर कौन बैठे। मिटिंग के संचालन का प्रोटोकाल बने।

पूर्वोत्तर के प्रांतीय महामंत्री श्री रमेश चांडक ने कहा कि प्रत्येक निर्णय पर ड्राफ्ट बने। उसका डिजीटल प्रदर्शन हो। कार्यक्रमों का कैलेंडर बने। महिलाओं के सेवामूलक कार्य हो। छात्रावास का कार्यक्रम हो। यूपीएससी का दिल्ली में स्थायी कार्यक्रम हो। राष्ट्रीय स्तर पर प्रशिक्षण कार्यशाला हो।

पूर्वोत्तर से बीरेन अग्रवाल ने कहा कि गांवो को जोड़कर एक शाखा खोली जाए।

बिहार के प्रांतीय अध्यक्ष श्री राकेश बंसल ने कहा कि समाज को एकसूत्र में पिरोना है। संस्कार संस्कृति, के लिए प्रशिक्ष का गठन हो। समन्वय स्थापित करने के लिए लोगो को निर्धरण हो जो प्रांतो में जाकर बताए। संगठन हेतु जाति जनगणना हो। अधिकार एवं कर्तव्य में अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों का बोध होना चाहिए।

बिहार के पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष रमेश केजरीवाल ने कहा कि समन्वय समिति द्वारा युवा मंच, महिला मंच एवं अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन साथ में लेकर चले। चुनाव प्रक्रिया पारदर्शी हो। चुनाव पर नियमावली बने।

बिहार के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री कमल नोपानी ने कहा कि समाज के किसी भी बंधु के साथ दुर्घटना हो तो अपने समाज के लोग उनके घर जाए। ताकि उनको लगे कि उनका समाज उनके साथ है। राजनीति से जुड़े लोगो की सूची बनायी जाय और उन्हें अपनी बैठकों में बुलाए।

बिहार के पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष श्री बिनोद तोदी ने कहा कि समाज कि समस्या समाज एवं संगठन को जोड़ना है उसके लिए नियमावली बनानी जरुरी है। केंद्र द्वारा कुछ कार्यक्रम राजनीति चेतना, समाज सुधार, जैसे जरुरी कार्यक्रम को बताए। केंद्र से आए सर्कुलर को प्रांत एवं शाखाओं को भी जानकारी मिले। राष्ट्र का मार्गदर्शन हो। केंद्र का हस्तक्षेप हो।

नहीं हो पाती हैं। केंद्र के आदेश पर प्रांत को गतिशील बनाना है।

दिल्ली के प्रांतीय अध्यक्ष ने कहा कि फंड इकठ्ठा करके दिल्ली प्रांत का कार्यालय बने। प्रशिक्षण शिविर आयोजित हो। अनुशासन का पालन हो।

दिल्ली के पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष श्री राज कुमार मिश्रा ने कहा कि मारवाड़ी सदस्य क्यों बने? सारे कार्यक्रम तो है, लेकिन साथ ही बिजनेस मिटिंग हो। प्रोफेशनल वेबसाईट बने जो कि चार्जेबल हो।

उत्कल के प्रांतीय अध्यक्ष श्री दिनेश अग्रवाल ने कहा कि जोन उपाध्यक्ष की भूमिका तय हो। केंद्र द्वारा आयोजित कार्यक्रम को जोन उपाध्यक्ष के द्वारा शाखाओं में हो। प्री वेडिंग करने वाले को हमने सम्मानित नहीं किया। और ९० लोग जिन्होंने प्री वेडिंग नहीं किया उनका सम्मान किया गया। आर्थिक आधार शाखाओं की सुदृढ़ हो ये सुनिश्चित हो।

उत्कल के पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष श्री गोविंद अग्रवाल ने कहा कि अपने समाज में बहुत सुधार हुए। आज समाज की बड़ी समस्या तीन प्रांतो में मारवाड़ी हटाओ है। इस पर केंद्र निर्णायक कार्रवाई करें। मारवाड़ी महिला सदस्य बनें। महिला शाखा ना बने।

उत्कल के प्रांतीय महामंत्री डॉ. सुभाष चंद्र अग्रवाल ने कहा कि महिला शाखा के लिए केंद्र से गाईडलाईन हो। सामाजिक पंचायत व्यवस्था लागु करे। जो राष्ट्रीय, प्रांतीय एवं शाखा स्तर पर हो। स्थायी प्रकल्पों के लिए केंद्र से अनुदान मिले।

झारखंड के प्रांतीय अध्यक्ष श्री सुरेश चंद्र अग्रवाल ने कहा कि झारखंड आदिवासी बहूल क्षेत्र में मारवाड़ी अच्छी संख्या में है। आज संगठन बहुत मजबूत है। आने वाले समय में कुछ प्रोजेक्ट लिये है जैसे विधि विशेषज्ञ का पैनल बनाना। जिला स्तर पर पंचायत का गठन करना, राज्य स्तर पर महापंचायत का गठन करना। मारवाड़ी छात्रावास बनाने का प्रयास, यूपीएससी की तैयारी करवाना, शाखाओं एवं जिलों में प्रोजेक्ट रहने से शाखाएं सक्रिय रहेंगी। मेंमबरशीप सर्टिफिकेट में केंद्र के साथ प्रांत के पदाधिकारियों के हस्ताक्षर हो। सदस्यता लेने पर सदस्यता किट दी जाए।

झारखंड के महामंत्री श्री विनोद जैन ने कहा कि केंद्र में जो वहाट्सअप एवं मेल जाय उसका जवाब हमें प्राप्त हो।

पश्चिम बंग प्रांत के प्रांतीय अध्यक्ष श्री नंदकिशोर अग्रवाल ने कहा कि जो भी अध्यक्ष बने अपने हिसाब से टीम गठित करके काम करे। बाहरी हस्तक्षेप न हो। उस पर अंकुश हो। पश्चिम बंग को आपके सहयोग की आवश्यकता है। केंद्र एवं प्रांत में समन्वय हो। बच्चों में संस्कार देने की जरुरत है। तलाक आज सबसे ज्वलंत मुद्दा है। इस पर समिति बनाने की आवश्यकता है।

पश्चिम बंग के प्रांतीय महामंत्री श्री पंकज भालोटिया ने कहा कि सम्मेलन एक ब्रांड है लेकिन अपने समाज में खुलकर बात

महाराष्ट्र के प्रांतीय अध्यक्ष श्री निकेश गुप्ता ने कहा कि सभी शाखाओं को मेडीकल उपकरण बैंक बनाने चाहिए। सरकारी योजनाओं से सभी को जागरुक किया जाना चाहिए।

कर्नाटक के प्रांतीय अध्यक्ष श्री सीताराम अग्रवाल ने कहा कि कई प्रांतों में एंटी मारवाड़ी ट्रेंड चल रहा है। उस पर हमें क्या करना है। ये दायित्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष को दिया जाय। दौरा करें। मारवाड़ी बच्चे कई जगहों पर रहते है। उनकी शादियों को लेकर कहा जाय कि वे सम्मेलन से जुड़े जिससे वो हमारी नजर में आये।

गुजरात के प्रांतीय अध्यक्ष श्री गोकुल चंद बजाज ने कहा कि पर्दा प्रथा, बाल विवाह, विधवा विवाह जैसी पुरानी कुरीतियों का उन्मूलन हुआ। आज समाज में नई कुरीतियाँ विवाह, रोजगार, उच्च शिक्षा जैसी कई अनेक समस्याएं आ गई है।

छतीसगढ़ के प्रांतीय अध्यक्ष श्री अमर बंसल ने कहा कि केंद्र एवं राज्य में समन्वय हो। केंद्र का मार्गदर्शन जरुरी हैं। उपाध्यक्षों की जिम्मेवारी तय हो। उनका हर तीन महिने में एक दौरा हो, १५ दिनों में प्रांत में बैठक हो। एक निर्देशिका हो जिसमें पूरे भारतवर्ष के सदस्यों का रिकार्ड हो। संगठन विस्तार के तहत राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के साथ लाईव मिटिंग हो। मारवाड़ी संस्कृति की सुरक्षा करनी है। कही-कही संविधान संशोधन की जरुरत है।

छतीसगढ़ के प्रांतीय महामंत्री श्री जी.जी. अग्रवाल ने कहा कि पर्यावरण को बचाना है। उस पर आवश्यक कार्यवाही हो।

उत्तराखंड के प्रांतीय अध्यक्ष श्री रंजीत टिबड़ेवाल ने कहा कि सम्मेलन से जुड़े ३५००० लोगो तक मैसेज पहूँचे।

मध्य प्रदेश के पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष श्री कमलेश नाहटा ने कहा कि एक सत्र एक संविधान एक चुनाव होना चाहिए।

मध्य प्रदेश के महामंत्री श्री श्याम सुंदर माहेश्वरी ने कहा कि मारवाड़ी सम्मेलन शीर्ष पर है। हमें संयम एवं अनुशासन की आवश्यकता है। अपनी बातों को रखने के लिए प्रशिक्षण शिविर करनी चाहिए।

उत्तर प्रदेश के प्रांतीय अध्यक्ष श्री श्रीगोपाल तुलस्यान ने कहा कि युवा मंच से उत्तर प्रदेश में सहयोग की अपील ताकि सदस्यों को जोड़ा जा सके।

सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री श्री केदार नाथ गुप्ता ने सभी सुझावों पर ध्यान देते हुए कहा कि राष्ट्रीय उपाध्यक्षों के कार्यक्षेत्र सुनिश्चित किए जाएंगे। प्रोटोकॉल एवं नियमावली तैयार कर अखिल भारतीय समिति से पारित कराई जाएगी।

बैठक का समापन दिल्ली प्रांतीय अध्यक्ष श्री राजेश सिंघल के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के वर्तमान सत्र (२०२५-२७) हेतु राष्ट्रीय पदाधिकारियों की घोषणा

गत ६-७ सितंबर २०२५ को दिल्ली में संपन्न अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के २८वें राष्ट्रीय अधिवेशन में राष्ट्रीय अध्यक्ष का दायित्वग्रहण करने के पश्चात श्री पवन कुमार गोयनका ने गत ६ सितंबर २०२५ को वर्तमान सत्र (२०२५-२७) हेतु राष्ट्रीय महामंत्री पद के लिए श्री केदार नाथ गुप्ता को मनोनित किया। श्री गुप्ता पिछले सत्र (२०२३-२५) में राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष के पद पर रहते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा एवं लगन से किया। तत्पश्चात दिनांकः २५ सितंबर २०२५ को अन्य राष्ट्रीय पदाधिकारियों की औपचारिक घोषणा हुई। श्री गोयनका ने राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पद के रुप में कोलकाता से सम्मेलन के विशिष्ट संरक्षक सदस्य श्री गिरधारी लाल गोयनका, कर्नाटक के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. सुभाष अग्रवाल, बिहार के पूर्व प्रादेशिक अध्यक्ष श्री बिनोद तोदी, दिल्ली के पूर्व प्रादेशिक अध्यक्ष श्री राज कुमार मिश्रा, छत्तीसगढ़ के पूर्व प्रादेशिक अध्यक्ष श्री पुरुषोत्तम सिंघानिया, गुजरात के निवर्तमान प्रादेशिक अध्यक्ष श्री गोकुल चंद बजाज को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के लिए मनोनित किया गया। इसके अतिरिक्त सम्मेलन के विशिष्ट संरक्षक सदस्य पवन कुमार जालान एवं विशिष्ट संरक्षक सदस्य श्री पवन कुमार बंसल को राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री, श्री अनिल कुमार मलावत को राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष एवं कामरुप, असम से श्री बसंत कुमार सुराना को राष्ट्रीय संगठन मंत्री मनोनीत किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका ने सभी मनोनीत राष्ट्रीय पदाधिकारियों को शुभकामनाएं प्रेषित की। उन्होंने आशा व्यक्त की कि नई टीम वर्तमान सत्र के ध्येय वाक्य 'महारी चाह--संगठित समाज' को आगे बढ़ाएंगे एवं तन-मन-धन के साथ सम्मेलन में अपना योगदान देंगे एवं आगामी सत्र में सम्मेलन को नई ऊँचाईयां प्रदान करने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेंगे।

सम्मेलन के वर्तमान सत्र (२०२५-२७) के पदाधिकारी

पवन कुमार गोयनका
राष्ट्रीय अध्यक्ष

शिव कुमार लोहिया
निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष

गिरधारी लाल गोयनका
राष्ट्रीय अध्यक्ष

डॉ. सुभाष अग्रवाल
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

बिनोद तोदी
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

राज कुमार मिश्रा
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

पुरुषोत्तम सिंघानियाँ
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

गोकुल चंद्र बजाज
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

केदार नाथ गुप्ता
राष्ट्रीय महामंत्री

पवन कुमार जालान
राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री

पवन कुमार बंसल
राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री

बसंत कुमार सुराना
राष्ट्रीय संगठन मंत्री

अनिल कुमार मलावत
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

श्रद्धांजलि

सम्मेलन के वरिष्ठ निवर्तमान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भानीराम सुरेका को श्रद्धांजलि

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के केंद्रीय कार्यालय सभागार में सम्मेलन के निवर्तमान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री व सुप्रसिद्ध उद्योगपति तथा समाजसेवी श्री भानीराम सुरेका के परलोकगमन पर सम्मेलन के राष्ट्रीय पदाधिकदारियों एवं सदस्यों द्वारा उनको पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। श्री भानीरामजी सुरेका को श्रद्धा सुमन अप्रित करते हुये सम्मेलन के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया ने कहा कि उन्होंने तन, मन, धन से सम्मेलन को अपनी सेवायें प्रदान की है। समाज के प्रति उनका समर्पण सदैव हमलोगों को प्रेरणा देता रहेगा। सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा ने कहा कि वे कई संस्थाओं से जुड़े हुए थे लेकिन उनका प्राण मारवाड़ी सम्मेलन में बसता था। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नन्द लाल रूंगटा ने कहा कि श्री भानीराम जी का निधन सिर्फ सम्मेलन की ही नहीं बल्कि पूरे मारवाड़ी समाज की क्षति है। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राम अवतार पोद्दार ने कहा की उनसे चार पीढ़ियों का संबंध रहा है। वे मेरे छोटे भाई जैसे थे। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष पद्मश्री प्रह्लाद राय अगरवाला ने कहा कि वे समाज के शुभचिंतक और मृदुल स्वाभाव के व्यक्ति थे। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ ने कक्षा की भानीरामजी का समाज के प्रति दर्शन एक अलग ही थी। जूम के माध्यम से सभा से जुड़े निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया ने कक्षा कि भानीराम जी ने कंधे से कन्धा मिलाकर काम किया है। पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री श्री रतन शाह ने कहा कि वे समाज के लिये कुछ विशेष करने की मनोवृत्ति रखते थे। पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका ने कहा कि भानीराम जी ने ही मुझे सम्मेलन के वार्षिक सदस्य के रूप में जोड़ा था। वे अपने मन में हमेशा युवा भाव रखते थे और यही उनकी एक बड़ी शक्ति थी। वित्तीय उपसमिति के चेयरमैन श्री आत्माराम सोंथलिया ने कहा कि भानीराम जी सेल्फ मेड इंसान थे। पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष श्री नन्द किशोर अग्रवाल ने कहा कि वे कभी थकते नहीं थे। सभी से कहते थे कि निस्वार्थ भाव से सेवा करो। सभा में उपस्थित समाजसेवी रामानन्द रुस्तगी, सीनियर सिटीजन फोरम के अध्यक्ष श्री पुरषोत्तम अग्रवाल एवं भानीराम जी के भांजे श्री सुशील चौधरी ने भी उन्हें अपनी भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। जूम के माध्यम से जुड़े सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. सुभाष अग्रवाल ने कहा कि भानीराम जी सबसे गर्मजोशी से मिलते थे। राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री केदार नाथ गुप्ता ने शोक प्रस्ताव का वाचन किया और परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाश पति तोदी, राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री श्री पवन कुमार जालान, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री दिनेश जैन (जूम), नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका (जूम), सर्वश्री राजेंद्र राजा, रमेश कुमार बुबना, नारायण प्रसाद सरावगी, पवन कुमार झा, ए. के. राय, सुखदेव राठी, गोपाल मोहन केडिया, राजेश बांका, सिद्धांत जोशी, विजय अग्रवाल, रोहित गोयल, राकेश सुरेका, जगमोहन बागला, चंडी प्रसाद डालमिया (जूम), नन्दलाल सिंघानिया (जूम), कमल कजारिया (जूम), प्रकाश पटवारी (जूम), सभा में सम्मिलित हुए और एक मिनट का मौन रखते हुए सभी ने भानीराम जी को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

शिष्टाचार भेंट

आज मारवाड़ी सम्मेलन के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका के नेतृत्व में हरियाणा के यशस्वी मुख्यमंत्री माननीय श्री नायब सिंह सैनी जी से उनके निवास पर शिष्टाचार भेंट का अवसर प्राप्त हुआ।

इस गरिमामयी अवसर पर दिल्ली प्रांतीय सम्मेलन के पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक श्री राजकुमार मिश्रा, उपाध्यक्ष श्री सज्जन शर्मा जी, मारवाड़ी युवा मंच के प्रदेश अध्यक्ष एवं मारवाड़ी सम्मेलन के निवर्तमान संगठन मंत्री श्री विमल खंडेलवाल जी, ग्रेटर फरीदाबाद शाखाध्यक्ष श्री मधु सूदन माटोलिया, श्री मुकेश वशिष्ठ श्री संजय गोयल जी एवं श्री प्रवीण अग्रवाल जी भी साथ उपस्थित रहे।

भेंटवार्ता के दौरान आगामी ६ एवं ७ सितम्बर को होने वाले अधिवेशन के विषय में विस्तारपूर्वक चर्चा हुई और मुख्य मंत्री जी को आमंत्रित किया गया। माननीय मुख्यमंत्री जी ने पूर्ण विश्वास दिलाया कि समयानुसार वे समाज के लोगों से सीधे रूबरू होकर आशीर्वचन प्रदान करेंगे।

अध्यक्षीय सम्मान

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के सत्र २०२३-२५ में अध्यक्षीय पुरस्कार वितरण की श्रृंखला में जो सदस्य २८वें राष्ट्रीय अधिवेशन में भाग लेने दिल्ली नहीं जा पा रहे है। उन सभी सम्मानित सदस्यों को राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया जी द्वारा केंद्रीय कार्यालय में शाल, दुपट्टा एवं मोंमेटो प्रदान कर सम्मान किया गया। इस अवसर पर सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री दिनेश जैन, राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय संयुक्तमंत्री द्वय श्री पवन कुमार जालान, श्री संजय गोयनका एवं राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री केदार नाथ गुप्ता उपस्थित थे।

सुप्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाजसेवी श्री अरुण चुड़िवाल

सुप्रसिद्ध उद्योगपति एवं सम्मेलन के विशिष्ट संरक्षक सदस्य श्री अमित सरावगी

सुप्रसिद्ध उद्योगपति, एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री दिनेश जैन

सुप्रसिद्ध उद्योगपति एवं सम्मेलन के विशिष्ट संरक्षक सदस्य श्री शिव रतन फोगला

सुप्रसिद्ध उद्योगपति एवं सम्मेलन के विशिष्ट संरक्षक सदस्य श्री अरुण कुमार सुरेका

सुप्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाजसेवी श्री रमेश कुमार बूबना

सुप्रसिद्ध उद्योगपति एवं सम्मेलन के विशिष्ट संरक्षक सदस्य श्री बिनय कुमार सिंघानिया

सम्मेलन के मायड़ भाषा उपसमिति के संयोजक एवं ओजस्वी कार्यकर्ता श्री अरुण प्रकाश मल्लावत

सम्मेलन के स्वास्थ्य उपसमिति के चेयरमैन एवं ओजस्वी कार्यकर्ता श्री अनिल कुमार मलावत

सुप्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाजसेवी श्री बृजमोहन गाड़ोदिया

सुप्रसिद्ध उद्योगपति एवं विशिष्ट संरक्षक सदस्य श्री बनवारी लाल मित्तल

सम्मेलन के कर्मचारी वृंद

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
ALL INDIA MARWARI FEDERATION
(Regd. under W.B. Societies act XXVI of 1961)

म्हारी चाह - संगठित समाज

४बी, डकबैक हाउस (४ तल्ला), ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०० ०१७

4B, Duckback House (4th Floor), 41, Shakespeare Sarani, Kolkata-700 017

प्रमुख उद्देश्य

समाज सुधार, समरसता राजनीतिक चेतना, सामाजिक उत्थान एवं राष्ट्रीय एकता

राष्ट्रीय अध्यक्ष
पवन कुमार गोयनका
93125 09329

निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष
शिव कुमार लोहिया
98305 53456

राष्ट्रीय उपाध्यक्षगण
गिरधारी लाल गोयनका
98310 06972
डॉ. सुभाष अग्रवाल
91415 00000
बिनोद तोदी
93341 11345
राज कुमार मिश्रा
93139 94500
पुरुषोत्तम सिंघानिया
97555 57777
गोकुल चन्द बजाज
93777 78333

राष्ट्रीय महामंत्री
केदार नाथ गुप्ता
98306 48056

राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री
पवन कुमार जालान
98300 43207
पवन कुमार बंसल
98309 55380

राष्ट्रीय संगठन मंत्री
बसंत कुमार सुराना
94014 53962

राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष
अनिल कुमार मलावत
98310 37556

प्रादेशिक शाखा सम्मेलन

बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल उत्कल, पूर्वोत्तर, दिल्ली, उत्तर प्रदेश मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ आंध्रप्रदेश, उत्तराखंड, तमिलनाडु गुजरात, कर्नाटक, तेलंगाना केरल एवं सिक्किम

अ.भा.मा.स./१६/२०२५-२७ — ४ अक्टूबर २०२५

अखिल भारतीय समिति के सभी सदस्यों की सेवा में

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की सर्वोच्च नीति निर्धारक अखिल भारतीय समिति के नए सत्र की प्रथम बैठक आगामी **२ नवंबर २०२५ (रविवार)** को **सुबह ११.०० बजे से हिंदुस्तान क्लब (४/१, शरत बोस रोड, कोलकाता – ७०० ०२०)** में निम्नलिखित विषयों पर विचारार्थ आयोजित की गई है। बैठक का सभापतित्व सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका करेंगे।

बैठक में आपकी उपस्थिति सादर निवेदित है।

भवदीय

केदारनाथ गुप्ता

(केदार नाथ गुप्ता)
राष्ट्रीय महामंत्री

विचारार्थ विषय:

१. अध्यक्षीय संबोधन।
२. अखिल भारतीय समिति की गत बैठक का कार्यवृत पारित करवाना।
३. विगत कार्यकलापों एवं २८वें राष्ट्रीय अधिवेशन पर महामंत्री की संक्षिप्त रपट।
४. संविधान की धारा १० (१) के अंतर्गत राष्ट्रीय कार्यकारिणी तथा धारा ६ (१६) के अंतर्गत विभिन्न उपसमिति के गठन के निर्णय।
५. बैंक खाता संचालन संबंधी प्रस्ताव पारित करना।
६. भावी कार्यक्रमों पर विचार-विमर्श।
७. विविध – अध्यक्ष की अनुमति से।

All India Marwari Federation | marwarisammelan.in | All India Marwari Federation
+91-33-4004 4089
aimf1935@gmail.com

सम्मेलन समाचार

राष्ट्रीय अध्यक्ष का प्रथम एक दिवसीय महाराष्ट्र दौरा

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष का पदभार ग्रहण करने के उपरांत ही श्री पवन गोयनका द्वारा दिनांक: १२ सितंबर २०२५ को महाराष्ट्र के नागपुर में अपने कार्यकाल के प्रथम दौरे के आगमन पर महाराष्ट्र प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष श्री निकेश गुप्ता, पूर्व प्रांतीय कैबिनेट मंत्री एव सम्मेलन के पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष श्री रमेश चंद्र बंग, विदर्भ प्रभारी श्री महेश बंग, नागपुर के प्रभारी श्री कन्हैया मंत्री, वरिष्ठ सहयोगी श्री वीरेंद्र धोका एवं अन्य पदाधिकारियों एवं उपस्थित मातृ शक्ति संग एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सभी पदाधिकारियों के सामूहिक प्रयासों से महाराष्ट्र में १० नई शाखाएं खोलने एवं ५०० आजीवन सदस्य बनाने पर गहन चर्चा हुई। साथ ही विदर्भ में १०० से अधिक सदस्य बनाने एवं विदर्भ एवं मुम्बई, अंजनगांव सुर्जी, यवतमाल, सेलुबाजार, पुणे, अंबड़, मुर्तिजापुर, शेगांव, बकोट, चिखली, वाशिम में नई शाखाओं को खोलने पर विचार-विमर्श हुआ। महाराष्ट्र में संगठन विस्तार की प्रबल संभावनाएं है।

इसके साथ ही नागपुर में महाराष्ट्र प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, युवा मंच एवं मिड टाउन शाखा के संयुक्त तत्वाधान में श्री तुरुपति बालाजी की दिन की कथा का आयोजन भी किया गया। जिसमें प्रतिदिन हजारों की संख्या में लोगों की उपस्थिति रही।

कलकत्ता सिटीजन्स इनिशिएटिव द्वारा श्री पवन गोयनका का सम्मान

कोलकाता के होटल निहारिका में दिनांक: १९ सितंबर २०२५ को कलकत्ता सिटीजन्स इनिशिएटिव (सीसीआई) की वार्षिक आम बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन गोयनका का अभिनंदन किया गया। साथ ही, श्री केदार नाथ गुप्ता को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री नियुक्त किए जाने पर भी सम्मानित किया गया।

बैठक के दौरान एक इंटरएक्टिव सत्र भी आयोजित किया गया। जिसमें सीसीआई के अध्यक्ष श्री नारायण जैन, पूर्व अध्यक्ष श्री पवन पहाड़िया, महासचिव श्री एल.एन. पुरोहित, कोषाध्यक्ष श्री रमेश सोभासरिया एवं अन्य उपस्थित थे। अंत में, महामंत्री श्री एल.एन. पुरोहित ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। यह बैठक सीसीआई की सक्रियता और संगठनात्मक मजबूती हेतु आयोजित की गई थी।

स्वागत सम्मान

राष्ट्रीय अध्यक्ष का केंद्रीय कार्यालय में सम्मान

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के वर्तमान सत्र (२०२५-२७) के श्री पवन कुमार गोयनका जी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के उपरांत केंद्रीय कार्यालय में आगमन पर सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री श्री केदार नाथ गुप्ता जी एवं सम्मेलन के कर्मचारीवृंद द्वारा सम्मान किया गया।

राष्ट्रीय महामंत्री का केंद्रीय कार्यालय में सम्मान

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के वर्तमान सत्र (२०२५-२७) के श्री केदार नाथ गुप्ता जी के राष्ट्रीय महामंत्री बनने के उपरांत केंद्रीय कार्यालय में आगमन पर सम्मेलन के निवर्तमान राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी द्वारा सम्मान एवं कार्य हस्तानांतरण किया गया एवं सम्मेलन के कर्मचारीवृंद द्वारा भी राष्ट्रीय महामंत्री का सम्मान किया गया।

उपलब्धियाँ

मारवाड़ी समाज के लाडले श्री राजेश अग्रवाल जी को छत्तीसगढ़ राज्य के मंत्री पद पर नियुक्त किया गया। बधाई!

यह है मारवाड़ी समाज की उभरती हुई प्रतिभा का चमकता हुआ चेहरा, मारवाड़ी सम्मेलन के आजीवन सदस्य श्री सुशील पोद्दार, पटना सिटी की सुपुत्री संस्कृति पोद्दार ने निफ्ट बेंगलुरु के दीक्षांत समारोह में "बेस्ट मेरीटोरियम स्टूडेंट" और "बेस्टएकेडमिक परफॉर्मेंस" का पुरस्कार प्राप्त किया है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर उन्हें स्वर्ण पदक और ₹ २५,००० का नकद पुरस्कार प्रदान किया गया। सम्मेलन परिवार की ओर से हार्दिक बधाई।

एयर राइफल में चमकीं जबलपुर की श्रेया, ट्रायल में रहीं नंबर-१

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा चुकीं १० मीटर एयर राइफल शूटर श्रेया अग्रवाल ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन कर जबलपुर सहित पूरे देश को गौरवान्वित किया है। भोपाल में आयोजित इंडियन टीम सिलेक्शन ट्रायल ५ और ६ में श्रेया ने आपना व्यक्तिगत सर्वोत्तम स्कोर बनाया। ट्रायल-५ के क्वालिफिकेशन राउंड में उन्होंने ६३३.६ अंक अर्जित कर दूसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं ट्रायल-६ के क्वालिफिकेशन राउंड में ६३६.४ का शानदार स्कोर बनाते हुए प्रथम स्थान पर रहीं। यह स्कोर वर्ल्ड रिकॉर्ड ६३६.९ (जो हाल ही में चीन कदी शूटर ने बनाया) के बेहद करीब है। श्रेया अब तक २१ अंतरराष्ट्रीय पदक अपने नाम कर चुकी हैं और भारतीय शूटिंग खेल की सबसे भरोसेमंद निशानेबाजों में शुमार है। लगातार मेहनत और संघर्ष का नतीजा है कि श्रेया आज ऑल इंडिया रैंक २ पर पहुंच चुकी हैं। वर्तमान में वे गन फॉर ग्लोरी शूटिंग अकादमी में सीनियर कोच निशांत नथवानी से प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं। बधाई!

संक्षिप्त परिचय

श्री केदार नाथ गुप्ता
राष्ट्रीय महामंत्री

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री श्री केदार नाथ गुप्ता का जन्म २६ सितंबर १९५७ को राजस्थान के सीकर जिला के अजीतगढ़ में हुआ। आपके पिता का नाम श्री किशन गुप्ता एवं माता श्रीमती रुकमणी देवी जी हैं बचपन से ही आपको किताबों से लगाव था। आपने अपनी प्रारंभिक अध्ययन अजीतगढ़ में ही पुरी की। उसके बाद सन १९७४ में हायर सेकेंडरी शिक्षा अजीतगढ़ से पूरी की। उसके बाद स्नातक की शिक्षा १९७७ में कामर्स कालेज, विश्वविद्यालय जयपुर से पूरी की। सी ए की पढ़ाई के लिए आपको कोलकाता आना पढ़ा और यहाँ से आपने सीए की पढ़ाई पूरी की। आपने सीए की पढ़ाई पूरी करने के बाद अपनी मेसर्स–के.एन. गुप्ता एंड एसोसिएट्स नाम से चार्टर्ड अकाउंटेंसी फार्म खोली और यही कोलकाता में १९८२ से प्रैक्टिस करने लगे। आपके सौम्य एवं मृदुल स्वभाव के कारण एक अलग पहचान बनाई।

आप अन्य कई संस्थाओं से जुड़े है और उन संस्थाओं में आपने विभिन्न पदों का निर्वहन किया है। जिसमें लायंस क्लब में अंतरराष्ट्रीय डिस्ट्रिक्ट ३२२बी१ में डिस्ट्रिक्ट गर्वनर के पद को सुशोभित किया। वर्तमान में आप कलकत्ता सिटिजंस इनीसिएटिव संस्था के अध्यक्ष, कंसर्न फॉर कलकत्ता के महासचिव, डायरेक्ट टैक्सेस प्रोफेशनल एसोसिएशन के उपाध्यक्ष के पद पर है। सम्मेलन से आप २०१९ से जुड़े। पिछले सत्र २०२३-२५ में आप राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष के पद को संभाला। आपकी सम्मेलन की प्रति निष्ठा एवं लगन के कारण वर्तमान में आप सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री के पद पर विराजमान है।

आपका विवाह १९८५ में श्रीमती अनिता गुप्ता से हुआ। आपके दो पुत्र आयुष गुप्ता एवं आदर्श गुप्ता के साथ कोलकाता में ही निवास करते है। दोनो पुत्र विवाह संपन्न है।

प्रांतीय समाचार : झारखंड

प्रांतीय कार्यालय का हुआ भव्य उद्घाटन

गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के नवनिर्मित प्रांतीय कार्यालय का उद्घाटन मारवाड़ी भवन परिसर में संपन्न हुआ। प्रांतीय अध्यक्ष सुरेश चंद्र अग्रवाल ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह नया कार्यालय संगठनात्मक कार्यों को और अधिक सशक्त, सुव्यवस्थित एवं प्रभावी बनाएगा। उन्होंने कहा कि यह भवन न केवल एक कार्यालय है, बल्कि यह सामाजिक समर्पण, एकता एवं प्रगति का प्रतीक भी है।

समारोह को संबोधित करते हुए अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया ने कहा कि मारवाड़ी सम्मेलन की स्थापना १९३५ में हुई थी। ९० वर्षों से मारवाड़ी सम्मेलन समाज सुधार, समाज विकास एवं सभी जन सेवा कार्यों को निरंतर व्यापक स्तर से कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन झारखंड में भी अपने कार्य क्षमता से नई ऊंचाइयां प्रदान करेगी।

कार्यक्रम में धनबाद जिला अध्यक्ष कृष्णा अग्रवाल ने किया। कार्यक्रम का संचालन प्रांतीय संयुक्त महामंत्री प्रमोद कुमार सारस्वत ने किया। धन्यवाद ज्ञापन प्रांतीय महामंत्री विनोद कुमार जैन ने किया।

इस अवसर पर-कमल कुमार केडिया, चंडी प्रसाद डालमिया, सज्जन पाड़िया, मनोज चौधरी, नंदकिशोर पाटोदिया, पवन शर्मा, किशन साबू, परेश गटानी, प्रवीण लोहिया, विशाल पाड़िया, कौशल राजगढ़िया, संजय सर्राफ, निर्मल बुधिया, विश्वनाथ नारसरिया, प्रवीण लोहिया, तुलसी पटेल, प्रमोद अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, राम बांगड़, अंजय सरावगी, सुभाष पटवारी, दीपेश निराला, रमन वोडा, अजय डीडवानिया, डा० रामधीन, आनंद जालान, नेहा पटवारी, नरेंद्र लखोटिया, नरेश बंका, अजय खेतान, रौनक झुनझुनवाला, विकास अग्रवाल, कमल शर्मा, विनोद टिंबडेवाल, प्रमोद बगड़िया, राजकुमार मित्तल, विजय खोवाल, मनोज बजाज, किशन पोद्दार, विकास विजयवर्गीय, अमित चौधरी, संजय जैन, विनोद उदयपुरिया, मनीष लोधा, अनिल जालान, अनिल नारनोली, नारायण प्रसाद, तरुण सराफ, रोहित अग्रवाल, अमन अग्रवाल, विनोद, बगवानी, अमन अग्रवाल, विकास फोगला, कृष्ण अग्रवाल, सहित सैकड़ो की संख्या में सदस्यगण उपस्थित थे।

प्रांतीय समाचार : झारखंड

पूर्वी सिंहभूम द्वारा महाराजा अग्रसेन जयंती मनायी गई

अग्रसेन जयंती के पावन अवसर पर महाराजा अग्रसेन ज्ञान मंदिर, श्री टाटानगर गौशाला, जुगसलाई में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

महाराजा अग्रसेन की पूजा में जजमान पूर्वी सिंहभूम जिला मारवाड़ी सम्मेलन अध्यक्ष मुकेश मित्तल रहे। पूर्वी सिंहभूम जिला मारवाड़ी सम्मेलन एवं झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के सदस्यों द्वारा -गौ सेवा भी की गई और प्रसाद वितरण हुआ। जय अग्रसेन और जय मारवाड़ के नारों से मंदिर परिसर गूंज उठा। इस अवसर पर मुख्य रूप से झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन संयुक्त महामंत्री भोला चौधरी, संयुक्त महामंत्री विमल अग्रवाल, मुरलीधर केडिया, जिला महासचिव प्रदीप कुमार मिश्रा, शंकर मित्तल जुगसलाई, किशोर गोलछा, विश्वनाथ शर्मा, प्रमोद सरायवाला, राजेश रिंगसिया, सुशील रामरायका, विजय कुमार गोयल, पवन अग्रवाल पप्पी, श्रवण देबुका, ललित गढ़वाल, कमल लड्ढा, अमित सरायवाला, दीपक अग्रवाल गोलमुरी, संतोष अग्रवाल एवं अन्य उपस्थित रहे।

उपलब्धियाँ

श्री कमलेश नाहटा सम्मानित

पटवा भवन रायपुर में विशिष्ट स्वाध्याय सम्मान कार्यक्रम में २१.९.२०२५ को श्री कमलेश नाहटा (पूर्व अध्यक्ष मध्य प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन) को कठिन तपस्या एवं निस्वार्थ सेवा हेतु सम्मानित किया गया।

प्रांतीय समाचार : झारखंड

कार्यकारिणी की बैठक

दिनांक ३१ अगस्त २०२५ को जमशेदपुर में आयोजित प्रथम कार्यकारिणी की बैठक में लिए गए प्रमुख निर्णय –

(क) जिला एवं प्रांतीय स्तर पर महापंचायत का गठन करना।

(ख) जिला एवं प्रांतीय स्तर पर विधि विशेषज्ञों के पैनल का गठन करना।

(ग) प्रांतीय स्तर पर समाज के आश्रितों के लिए जैसे असहाय, विधवा एवं असहाय वरिष्ठजन के लिए समाज सेवा कोष का गठन किया गया। जिसमें प्रांतीय अध्यक्ष श्री सुरेश चंद्र अग्रवाल द्वारा ५१०००/-, प्रमंडलीय उपाध्यक्ष कोल्हान श्री रमेश खिरवाल जी के द्वारा ४१०००/- एवं श्री अशोक मोदी जमशेदपुर के द्वारा ११०००/- रुपया उपरोक्त निधि कोष में देने की घोषणा की गई।

(घ) सभी जिला अध्यक्षों को संविधान का अध्ययन कर आवश्यक संशोधन हेतु सुझाव देने का निर्णय लिया गया। सर्वसम्मति से श्री कमल केडिया को संयोजक एवं श्री पवन कुमार शर्मा को सहसंयोजक मनोनीत किया गया।

(ङ) सर्वसहमति से निर्णय लिया गया कि प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन ट्रस्ट को पत्र लिखकर सम्मेलन द्वारा दिए गए २५ लाख रुपए की राशि को १५ दिन की समय सीमा निर्धारित कर वापस मांगा जाए, एवं उनके द्वारा झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के लोगो (LOGO) का असंवैधानिक तरीके से इसके उपयोग पर प्रतिबन्ध तथा तत्काल प्रभाव से ट्रस्ट के लेटर पैड से हटाने हेतु लिखा जाए तथा अगर उपरोक्त करवाई ट्रस्ट के द्वारा अभिलंब नहीं किया जाता है तो विधि सम्मत कार्रवाई की जाए।

(च) सर्व समिति से रांची में प्रांतीय कार्यालय देने के लिए मारवाड़ी सहायक समिति को करतल ध्वनि के साथ बधाई दी गई जिसके फल स्वरुप वर्तमान परिवेश में प्रांतीय समिति अपना कार्य सुचारू रूप से संचालित करेगी।

(छ) निर्णय लिया गया कि प्रांतीय पदाधिकारियों द्वारा जो भी पत्राचार या सूचना व्हाट्सएप पर डाली जाती है उसे संबंधित पदाधिकारीगण एवं जिला अध्यक्ष महामंत्री आधिकारिक सूचना के रूप में मानते हुए उस पर कार्रवाई करेंगे।

मारवाड़ी भाई-बेहना सू निवेदन

आपा आपणो देश मारवाड़ (राजस्थान) तो छोड़ दिया हाँ, काई आपणी मारवाड़ी, आपणी मातृभाषा ने भी छोड़ देनो, खत्म कर देनो चावां हाँ। आपणा में अधिकतर माता-पिता आपणा बच्चा (टाबरा) सू हिंदी, इंग्लिश में बात करा हाँ और गर्व महसूस करा हाँ, आज हर सिंधी रा बच्चा सिंधी बोले है, मराठी का मराठी, अटाताई के अरबपति अंबानी का बच्चा भी गुजराती में ही बात करे है, परंतु आज री जेनरेशन मारवाड़ी बच्चा ने तो मारवाड़ी आवे ही नहीं है, काई आपण मारवाड़ी बोलना में शर्म आवे है। इन बच्चा का हक है मारवाड़ी बोलनो और मारवाड़ी सीखनो तो कृपया कर गर्व सू मारवाड़ी में बात करो, कम से कम मां-पिता जी, भाई-भोजाई, चाचा-चाची जी, सगला घर का सू कोई एक तो बात शुरू करो।

आपणी मारवाड़ी भाषा ने विलुप्त होना सू बचाओ!

प्रांतीय समाचार : कर्नाटक

सम्मेलन द्वारा महिला परिधि शाखा को श्रेष्ठ शाखा सम्मान

कर्नाटक प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की महिला परिधि शाखा द्वारा Hotel Sanman Gardenia, जयनगर में समाज और कला जगत के लिए एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर आयोजन समिति की सदस्याएँ – श्रीमती माया जी, मंजू जी, हेमलता जी और शालिनी जी, एवं उनकी टीम को उनके उत्कृष्ट योगदान और नेतृत्व क्षमता के लिए अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा २८वें राष्ट्रीय अधिवेशन में कर्नाटक की महिला परिधि शाखा को श्रेष्ठ शाखा सम्मान से सम्मानित किया गया था।

यह कार्यक्रम न केवल बेंगलुरु तक सीमित रहा, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर महिला शक्ति के गौरव को उजागर करने वाला साबित हुआ। अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं कर्नाटक चैप्टर के संस्थापक अध्यक्ष श्री सुभाष जी अग्रवाल भी उपस्थित थे।

प्रांतीय समाचार : छत्तीसगढ़

रक्तदान शिविर का आयोजन

दिनांक: १७ सितम्बर २०२५ को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के छत्तीसगढ़ प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की रायपुर शाखा ओर से रक्त दान शिविर एवं मेगा स्वास्थ्य शिविर चिंताहरण हनुमान मंदिर उद्यान चौबे कॉलोनी में आयोजित की गई।

इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष श्री पुरुषोत्तम सिंघानिया, प्रांतीय अध्यक्ष श्री अमर बसंल, प्रांतीय महामंत्री श्री जी.जी. अग्रवाल, प्रांतीय कोषाध्यक्ष श्री सुरेश कुमार चौधरी, रायपुर शाखाध्यक्ष श्री संजय शर्मा, शाखामंत्री श्री प्रवीण सिंघानिया, शाखा उपाध्यक्ष श्री आनंद अग्रवाल, शाखा कोषाध्यक्ष श्री अशोक जैन एवं अनेक सदस्यों ने भाग लिया।

उक्त शिविर में कुल ५० लोगों ने रक्त दान किया। तथा सैकड़ों लोगों ने स्वास्थ्य जाँच कराया। अंत में स्वास्थ्य जांच हेतु आए डॉ. का सम्मान किया गया।

प्रांतीय समाचार : पश्चिम बंग

वाटर कूलर मशीन का वितरण

रानीगंज

पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा आसनसोल शिल्पाचंल शाखा मुर्गा साल सिथत दुर्गा स्थान के बाहर किया गया। इस अवसर पर प्रांतीय अध्यक्ष श्री नंदकिशोर अग्रवाल एवं आसनसोल नगर निगम के उपमेयर श्री अभिजीत घटक के द्वारा फीता काटकर इसका उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में दुर्गा स्थान समिति के अध्यक्ष श्री जितेंद्र सिंह, सचिव श्री बडकू सिंह, सम्मेलन के श्री अभिषेक केडिया, श्री विनय शर्मा, श्री मुकेश अग्रवाल, श्री मनोज मुकीम, श्री विवेक खेतान, श्री मनोज वैश्य, श्री सियाराम अग्रवाल, श्री महेश शर्मा, श्री विकास भूत, श्री निरंजन अग्रवाल, श्री आशीष केडिया, श्री संदीप ड्रोलिया, श्री विजय माखरिया, श्री सुमित जालान आदि उपस्थित थे।

आसनसोल

पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की रानीगंज शाखा में १३ अगस्त २०२५ को शिशु बागान मोड़ पर शीतल जल धारा नामक वाटर कुलर मशीन का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर प्रांतीय अध्यक्ष श्री नंद किशोर अग्रवाल आसनसोल नगर निगम के एमआईसी (स्वास्थ्य) श्री दिव्येंदु भगत और रानीगंज शाखा के अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश बाजोरिया ने फीता काटकर उद्घाटन किया गया।

इस मौके पर प्रांतीय सचिव श्री पंकज भालोटिया एवं प्रांतीय कोर्डिनेटर श्री मनीष बजाज उपस्थित थे।

प्रांतीय समाचार : पश्चिम बंग

रानीगंज शाखा की बैठक

२१ अगस्त २०२५ को पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की रानीगंज शाखा द्वारा एक आम सभा का आयोजन श्री सीताराम भवन में आयोजित की गई। इस दौरान रानीगंज, दूर्गापुर, आसनसोल, बांकुड़ा, पुरुलिया एवं बर्धमान शाखा के सदस्यों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। बैठक में कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। सभा का मुख्य उद्देश्य रानीगंज के मारवाड़ी समाज को एकजुट करना और कुछ सामाजिक समस्याओं का समाधान खोजना था। इस बैठक में पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष श्री नंद किशोर अग्रवाल, प्रांतीय महामंत्री श्री पंकज भालोटिया, पुरुलिया शाखा के उपाध्यक्ष श्री ओम प्रकाश केजरीवाल, बर्धमान शाखा के अध्यक्ष श्री जगदीश झंवर, बांकुड़ा शाखा के अध्यक्ष श्री नरेंद्र शर्मा, आसनसोल शिल्पांचल शाखा के अध्यक्ष श्री नरेश अग्रवाल, दुर्गापुर पश्चिम शाखा के अध्यक्ष श्री नारायण सीकरिया, श्री अनिल मोहनका एवं ब्राह्मण सभा के श्री श्रवण जोशी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

विविध

दवा रहित जीवन

१. जल्दी सोना और जल्दी उठना दवा है। २. या राम राम का जाप दवा है। ३. योग प्राणायाम और व्यायाम दवा है। ४. सुबह-शाम टहलना भी दवा है। ५. उपवास सभी बीमारियों की दवा है। ६. सूर्य का प्रकाश भी दवा है। ७. मटके का पानी पीना भी दवा है। ८.ताली बजाना भी दवा है। ९. खूब चबाना भी दवा है। १०. भोजन की तरह चबाकर पानी पीना भी दवा है। ११. भोजन के पश्चात वज्रासन में बैठना दवा है। १२. खुश रहने का निर्णय भी दवा है। १३. कभी-कभी मौन भी दवा है। १४. हंसी-मजाक दवा है। १५. संतोष भी दवा है। १६. मन और शरीर की शांति दवा है। १७. ईमानदारी व सकारात्मकता दवा है। १८. निस्वार्थ प्रेम, भावना भी दवा है। १९. सबका भला करना भी दवा है। २०. ऐसा कुछ करना जिससे किसी की दुआ मिले, वह दवा है। २१. सबके साथ मिलजुल कर रहना दवा है। २२. परिवार के साथ खाना-पीना और घुलना-मिलना भी दवा है। २३. आपका हर सच्चा और अच्छा दोस्त भी बिना पैसे के पूरा मेडिकल स्टोर है। २४. मस्त रहें, व्यस्त रहें, स्वस्थ रहें और खुशमिजाज रहें, यह भी दवा है। २५. हर नए दिन का भरपूर आनंद लेना भी दवा है। २६. और अंत में...किसी को प्रसादी के रूप में यह संदेश भेजकर अच्छा काम करने का सुख भी दवा है। २७. प्रकृति की “महानता” को समझना भी दवा है। २८. ये सभी औषधियाँ बिल्कुल निःशुल्क उपलब्ध हैं ।

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत !

आजीवन सदस्य

श्रीमती रेणुका तुलस्यान मारवाड़ी मोहल्ला, चतरा, झारखंड	**श्री रोहित रूंगटा** रूंगटा हाउस, बामन टोली, गिरिडीह, झारखंड	**श्री साकेत तुलस्यान** तुलस्यान कुटीर, चिरकुंडा, धनबाद, झारखंड	**श्री संजय अग्रवाल** श्री कृष्ण निवास, जमशेदपुर, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**श्री संजय कुमार केडिया** वृंदावन कॉलोनी, नेहरू रोड, रेलवे कं., धनबाद, झारखंड
श्री रिंकू कुमार जालान श्री हरि कृष्ण कुंज अपार्टमेंट, मटकुटिया, धनबाद, झारखंड	**श्री रोशन कुमार** मेन रोड, चंदवा, लातेहार, झारखंड	**श्रीमती सालिनी अग्रवाल** डिस्पेंसरी रोड, सोनारी, जमशेदपुर, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**श्री संजय अग्रवाल** मेन रोड, घाटशिला, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**श्री संजय कुमार केजरीवाल** केजरीवाल हाउस, थाना रोड, झरिया, धनबाद, झारखंड
श्री ऋषभ छपाड़िया बंशीधर अडुकिया रोड, अपर बाजार, रांची, झारखंड	**श्री रोशन कुमार मोदी** बाड़ा बैंड, पोखरा चौक, दुमका, झारखंड	**श्री समीर अग्रवाल** तुलस्यान कुटीर, चिरकुंडा, धनबाद, झारखंड	**श्री संजय अग्रवाल** १२/३७२, काशिडीह, साकची, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री संजय कुमार सेक्सेरिया** शहीद भगत सिंह मार्ग, गुरुद्वारा रोड, मैंगो, जमशेदपुर, झारखंड
श्री ऋषभ जैन श्री सदन, पुराना चौधरी बागान, गाड़ीखाना, रांची, झारखंड	**श्री रौनक अग्रवाल** ३सी, शिवम अपार्टमेंट, हरमू रोड, रांची, झारखंड	**श्री संदीप केडिया** अड्डा बांग्ला, आई.एम.एस. रोड, झुमरीतलैया, कोडरमा, झारखंड	**श्री संजय डंगैच** पंजाबी कोठी, मकतपुर, गिरिडीह, झारखंड	**श्री संजय कुमार शर्मा** तिरंगा चौक, टुंडी रोड, गिरिडीह, झारखंड
श्री ऋषभ व्यास एस बी आई बैंक के पास, पचंबा, गिरिडीह, झारखंड	**श्री रौनक जैन** एच-१२१, जैन मंदिर के पास, बोकारो, झारखंड	**श्री संदीप कुमार अग्रवाल** चिरकुंडा, धनबाद, झारखंड	**श्री संजय जैन** करबा रोड, खूंटी, झारखंड	**श्री संजय कुमार शर्मा** मेन रोड, चांडिल, सरायकेला-खरसावाँ, झारखंड
श्री ऋषिपाल अग्रवाल अशोक विहार, लाल बंगला, गोविंदपुर, धनबाद, झारखंड	**श्री रौनक कुमार** हरमू रोड, दिगम्बर जैन भवन के पास, रांची, झारखंड	**श्री संदीप कुमार अग्रवाल** करगली बाजार, बेरमो, बोकारो, झारखंड	**श्री संजय जवानपुड़िया** २३, गोलमुड़ी बाजार, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री संजय कुमार शर्मा** लाल बाजार, झरिया, धनबाद, झारखंड
श्री रितेश भालोटिया मैन्युफैक्चरिंग कंपनी, झंडा चौक, कोडरमा, झारखंड	**श्री रौनक कुमार केडिया** कुंवर सिंह कॉलोनी, पहेल मार्केट, चास, बोकारो, झारखंड	**श्री संदीप कुमार डंगैच** मकतपुर, गिरिडीह, झारखंड	**श्री संजय कुमार अग्रवाल** ईस्ट इडिया मोड़ (रती होटल), धनबाद, झारखंड	**श्री संजय मोदी** १८७, न्यू लेआउट, जमशेदपुर, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड
श्री रितेश चिरानिया सुभाष चौक, टुंगरी, चाईबासा, झारखंड	**श्री रूपक कुमार केडिया** स्वर्ण सिनेमा हॉल के पीछे, शास्त्री नगर, गिरिडीह, झारखंड	**श्री संदीप कुमार गोयल** रामगढ़, रांची, झारखंड	**श्री संजय कुमार अग्रवाल** रांची पटना रोड, झुमरीतलैया, कोडरमा, झारखंड	**श्री संजय शर्मा** चिरकुंडा, धनबाद, झारखंड
श्री रितेश कुमार अग्रवाल वार्ड नं.-७, सरायकेला - खरसावाँ, झारखंड	**श्री रूपेश डोकानिया** मैथन मोड़, कुमारधुबी, धनबाद, झारखंड	**श्री संदीप कुमार खेड़िया** चंद्रबली उद्यान, काशीडीह, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री संजय कुमार अग्रवाल** रामटेकरी रोड, जुगसलाई, जमशेदपुर, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**श्री संजीव कुमार अगरवाला** ३०१, न्यू मार्केट, बैंक मोड़, धनबाद, झारखंड
श्री रितेश कुमार बिंजराजका मेसर्स-भगवती विंट्रेड प्रा० लि०, रामगढ़, झारखंड	**श्री सचिन अग्रवाल** पोस्ट ऑफिस के विपरीत, चाईबासा, झारखंड	**श्री संदीप कुमार नेमानी** आई सी आर, गिरिडीह, झारखंड	**श्री संजय कुमार अग्रवाल** अभिनंदन, बरवा रोड, धैया, धनबाद, झारखंड	**श्री संजीव कुमार जालान** आई.सी.आर. रोड, गिरिडीह, झारखंड
श्री रितेश कुमार मेहरिया स्वामी विवेकानंद कॉलोनी, बीबीसी रोड, गिरिडीह, झारखंड	**श्री सगुन डोकानिया** टुंडी रोड, बाल्टी कारखाना के पास, गिरिडीह, झारखंड	**श्री संदीप कुमार राजगढ़िया** लाइन टैंक रोड, रांची, झारखंड	**श्री संजय कुमार अग्रवाल** रोड नं.-१६, काशीडीह, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री संजीव कुमार मित्तल** मित्तल निवास, जी.टी. रोड, लाल बाजार, धनबाद, झारखंड
श्री रितेश मोदी मेसर्स मोदी कंप्यूटर, मकतपुर, गिरिडीह, झारखंड	**श्री शैलेश सेक्सेरिया** मे. श्याम इंटरप्राइजेज, लहरी टोला, सरायकेला-खरसावाँ, झारखंड	**श्री संदीप कुमार अग्रवाल** ८३, संतोषी मंदिर, नया बस्ती, नीमडीह, चाईबासा, झारखंड	**श्री संजय कुमार अग्रवाल** नेहरा साई, सरायकेला - खरसावाँ, झारखंड	**श्री संजीव कुमार सराफ** ८०१, ला विस्टा अपार्टमेंट, बरियातू रोड, रांची, झारखंड
श्री रोहित अग्रवाल स्टेट बैंक रोड, भकतपुर, गिरिडीह, झारखंड	**श्री साज़न अग्रवाल** चिरकुंडा, नीचे बाजार, धनबाद, झारखंड	**श्री संदीप कुमार अग्रवाल** न्यू रोड फुसरो, श्याम भंडार के पास, बोकारो, झारखंड	**श्री संजय कुमार अग्रवाल** मेन रोड, चतरा, झारखंड	**श्री संजीव कुमार जवानपुरिया** ७, फ्रेंड्स एन्क्लेव, कदमा, जमशेदपुर, झारखंड
श्री रोहित अग्रवाल मिथिला एन्क्लेव, मेन रोड, चास, बोकारो, झारखंड	**श्री साजन कुमार खरकिया** अपर बाजार, चिरकुंडा, धनबाद, झारखंड	**श्री संदीप कुमार अग्रवाल** चिरकुंडा, रेलवे क्रॉसिंग, धनबाद, झारखंड	**श्री संजय कुमार बगड़िया** मारवाड़ी मोहल्ला, पचंबा, गिरिडीह, झारखंड	**श्री संजीव कुमार सिंघानिया** सिंघानिया लेन, दुमका, झारखंड
श्री रोहित जैन हरि ओम रेजीडेंसी, ई. एक्स. टी. सर्कुलर रोड, लालपुर, रांची, झारखंड	**श्री साजन कुमार सराफ** सदर बाजार, चाईबासा, झारखंड	**श्री संदीप कुमार केडिया** टाउन थाना के पीछे, धरियाडीह रोड, गिरिडीह, झारखंड	**श्री संजय कुमार भालोटिया** हरिसभा रोड, दुमका, झारखंड	**श्री संकेत सरावगी** सुरेश बाबू स्ट्रीट, अपर बाजार, रांची, झारखंड
श्री रोहित कुमार अग्रवाल जी. टी. रोड, चिरकुंडा, धनबाद, झारखंड	**श्री सज्जन कुमार अग्रवाल** बसेरा कॉम्प्लेक्स, अशोक नगर, धनबाद, झारखंड	**श्री संदीप कुमार सेक्सेरिया** वार्ड नं.-७, लहरी टोला, सरायकेला - खरसावाँ, झारखंड	**श्री संजय कुमार चौधरी** कालूराम चौक, मेन रोड, सरायकेला-खरसावाँ, झारखंड	**श्री संतोष कुमार अग्रवाल** हट्टी बाजार, गिरिडीह, झारखंड
श्री रोहित लोहिया मिश्रा मार्केट, अपर बाजार, रांची, झारखंड	**श्री सज्जन कुमार जालान** बामन टोली, टुंडी रोड, गिरिडीह, झारखंड	**श्रीमती संगीता देवी अग्रवाल** मारवाड़ी मोहल्ला, चतरा, झारखंड	**श्री संजय कुमार देबुका** ४, स्ट्रेट माइल रोड, साकची, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री संतोष राय अग्रवाल** कॉमर्स प्लाजा, मेन रोड, घाटशिला, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड
श्री रोहित मोदी ३६बी, सी एच एरिया, नॉर्थ पश्चिम, सोनरी, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री साकेत खेतान** कोर्ट रोड, कालीबाड़ी, गिरिडीह, झारखंड	**श्री संजय अग्रवाल** मंदिर रोड, पुराना बाजार, धनबाद, झारखंड	**श्री संजय कुमार जालान** सी/ओ. शौर्य होंडा, टुंडी रोड, गिरिडीह, झारखंड	**श्री संतोष सराफ** थाना रोड, दुमका, झारखंड

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत !

आजीवन सदस्य

श्रीमती सपना जैन मदगुल हैबिटेट, कांके रोड, रांची, झारखंड	**श्री शैलेश कुमार अग्रवाल** पंचवटी नगर, ४वीं फेज, सोनारी, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री शशांक गौरीसरिया** कोर्ट रोड, गिरिडीह, झारखंड	**श्री श्याम बिहारी खड़किया** जामताड़ा रोड, निरसा, धनबाद, झारखंड	**श्रीमती स्नेहा अग्रवाल** सोनारी, जमशेदपुर, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड
श्रीमती सरिता अग्रवाल भगत मोहल्ला, कतरासगढ़, धनबाद, झारखंड	**श्री शैलेश तुलस्यान** आईडियल रीजेंसी अपार्टमेंट, बरगंडा रोड, गिरिडीह, झारखंड	**श्री शशिकांत सावड़िया** प्यादा टोली, अपर बाजार, रांची, झारखंड	**श्री श्याम गोयल** साकची मार्केट, जमशेदपुर, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**श्रीमती सोनी गोयल** वार्ड नं.-७, सरायकेला-खरसावाँ, झारखंड
श्रीमती सरिता देवी मेन रोड, चतरा, झारखंड	**श्रीमती शालिनी अग्रवाल** बालाजी एन्क्लेव सोसाइटी, कतरास बाजार, धनबाद, झारखंड	**श्रीमती शिल्पी मोदी** नॉर्थ वेस्ट रोड, आशियाना गार्डेन, सोनारी, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री श्याम हिम्मतसिंहका** महारो, दुमका, झारखंड	**श्रीमती सोनु अग्रवाल** नामकुम इंडस्ट्रियल एरिया, रांची, झारखंड
श्रीमती सरिता देवी अग्रवाल कृष्णा अपार्टमेंट, जोड़ाफाटक रोड, पानी टंकी, धनबाद, झारखंड	**श्रीमती शालिनी अग्रवाल** हाउस नं.-४७०, काशीडीह, साकची, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री शिव कुमार अग्रवाल** चौक बाजार, विपरीत सर्किट हाउस, गिरिडीह, झारखंड	**श्री श्याम लाल चौधरी** रांची-पटना रोड, कोडरमा, झारखंड	**श्री सोनू कुमार अग्रवाल** डिस्पेंसरी रोड, सोनारी, जमशेदपुर, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड
श्रीमती सरोज सेक्सेरिया लहरी टोला, वार्ड नं.-७, सरायकेला-खरसावाँ, झारखंड	**श्रीमती शालिनी खेड़िया** चंद्रबली उद्यान, काशीडीह नं.-१ गली, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री शिव कुमार अग्रवाल** जामताड़ा रोड, निरसा, धनबाद, झारखंड	**श्री श्याम सोंथालिया** पंजाबी मोहल्ला, गिरिडीह, झारखंड	**श्री श्रवण कुमार** सोनारी, जमशेदपुर, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड
श्री श्रवण कुमार जिंदल भोले निवास, न्यू रोड, फुसरो, बोकारो, झारखंड	**श्री शंभू दयाल अग्रवाल** अमला टोला, सनराइज हॉस्पिटल के पास, चाईबासा, झारखंड	**श्री शिव कुमार अग्रवाल** सिटी सेंटर, बोकारो स्टील सिटी, बोकारो, झारखंड	**श्री श्याम सुंदर अग्रवाल** वार्ड नं.-७, सरायकेला-खरसावाँ, झारखंड	**श्री सुभम अग्रवाल** लुबी सर्कुलर रोड, धनबाद, झारखंड
श्री सतीश अग्रवाल रूक्मिणी विहार कॉलोनी, रायगढ़, छत्तीसगढ़	**श्री शंभू लाल चौधरी** जे. सी. बोस रोड, गिरिडीह, झारखंड	**श्री शिव कुमार अग्रवाल** सिटी सेंटर, सेक्टर-४, बोकारो स्टील सिटी, बोकारो, झारखंड	**श्री श्याम सुंदर अग्रवाल** करगली बाजार, बेरमो, बोकारो, झारखंड	**श्री सुभम शर्मा** अमला टोला, चाईबासा, झारखंड
श्री सतीश कुमार अग्रवाल जी. टी. रोड, चिरकुंडा, धनबाद, झारखंड	**श्री शम्भू नाथ शर्मा** जी.टी. रोड, चिरकुंडा बाजार, धनबाद, झारखंड	**श्री शिव शक्ति बंका** जीटी रोड, इसरी बाजार, गिरिडीह, झारखंड	**श्री श्याम सुंदर अग्रवाल** काशीडीह, साकची, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री सुभाष अग्रवाल** मे. सुभाष क्लोथ स्टोर, चांसनाल्ला, धनबाद, झारखंड
श्री सतीश नारनोली भागलपुर रोड, दुमका रोड, झारखंड	**श्री शंकर अग्रवाल** श्याम कुंज, बिस्टिपाड़ा (हिरापुर), धनबाद, झारखंड	**श्री शिव शंकर साबू** १२, जे.जे. रोड, अपर बाजार, रांची, झारखंड	**श्री श्यामलाल अग्रवाल** पुरान इलेक्ट्रीक ऑफिस के पास, चिरकुंडा, धनबाद, झारखंड	**श्री सुभाष कुमार जालान** मे. जे एस ऑटो, स्टेशन रोड, गिरिडीह, झारखंड
श्री सतवीर प्रसाद गोयल बाजार समिति प्रांगण, चास, बोकारो, झारखंड	**श्री शंकर कुमार शर्मा** बामनटोली, गिरिडीह, झारखंड	**श्री शिवम चेतानी** ४/१२८, काशीडीह साकची, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री सिद्धांत जैन** गणपति अपार्टमेंट, गिरिडीह, झारखंड	**श्री सुभाष राजगड़िया** लाइन ट्रैक रोड, रांची, झारखंड
श्री सत्यप्रकाश अग्रवाल ३३७, न्यू सीताराम डेरा, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री शंकर लाल अग्रवाल** १४७, संजय मार्केट साकची, जमशेदपुर, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**श्री शिवम छपाड़िया** पंडरा बाजार समिति, रांची, झारखंड	**श्री सिद्धार्थ गौरीसारिया** कोर्ट रोड, गिरिडीह, झारखंड	**श्री सुभाष रिटोलिया** शिवम कॉम्प्लेक्स, दुर्गा मंदिर रोड, हीरापुर, धनबाद, झारखंड
श्री सत्येंद्र कुमार भुवानिया शांति भवन, बैंक मोड़, धनबाद, झारखंड	**श्री शंकर लाल चौधरी** हरहरगुट्ट, कॉलेज रोड, जमशेदपुर, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**श्री श्रवण कुमार अग्रवाल** मे. राजहंस ऑयल इंडस्ट्रीज, धैया, धनबाद, झारखंड	**श्री सिद्धार्थ जैन** बीबीसी रोड, गिरिडीह, झारखंड	**श्री सुबोध कुमार अग्रवाल** इच्छापुर ग्वालपाड़ा, आदित्यपुर, झारखंड
श्री सौरभ केडिया टुंडी रोड, गिरिडीह, झारखंड	**श्री शंकर लाल सिंघानिया** टुंडी रोड, तिरंगा चौक के पास, गिरिडीह, झारखंड	**श्री श्रवण कुमार केडिया** तिरंगा चौक, गिरिडीह, झारखंड	**श्री सिद्धार्थ खंडेलवाल** आशियाना ट्रेड सेंटर, आदित्यपुर, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री सुबोध मोदी** धरियाडीह, टाउन थाना के पीछे, गिरिडीह, झारखंड
श्री सौरव सिंघानिया मैकी रोड, अपर बाजार, रांची, झारखंड	**श्री शंकर लाल तुलस्यान** मारवाड़ी मोहल्ला, चतरा, झारखंड	**श्री श्रवण कुमार शर्मा** आईसीआर रोड, गिरिडीह, झारखंड	**श्री सिद्धार्थ साबू** शॉप नं.-२१, पंडरा, रांची, झारखंड	**श्री सुदर्शन रितुलिया** जोड़ाफाटक रोड, धनबाद, झारखंड
श्रीमती सीमा अग्रवाल अग्रसेन पथ, रामगढ़ कैंट, रामगढ़, झारखंड	**श्री शंकर कुमार अग्रवाल** कुटिया गली, टुंडी रोड, गिरिडीह, झारखंड	**श्री श्रीराम सरोज** १९, नीति बाग कॉलोनी, स्लेज रोड, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री सिद्धार्थ जैन** डागा हाउस, बाईपास रोड, चास, बोकारो, झारखंड	**श्री सुदीप अग्रवाल** मे. महावीर भंडार, चिरकुंडा, धनबाद, झारखंड
श्रीमती सीमा अग्रवाल दुर्गा स्थान रोड, दुमका, झारखंड	**श्री शरद अग्रवाल** गुमिया बस्ती, बोकारो, झारखंड	**श्री शुभम गर्ग** लक्ष्मी अपार्टमेंट, शास्त्री नगर, बैंक मोड़, धनबाद, झारखंड	**श्री सीताराम त्याल** जीटी रोड, निरसा, धनबाद, झारखंड	**श्री सुधीर कुमार अग्रवाल** फ्लॉट नं.-२७, हाउसिंग कॉलोनी, धनबाद, झारखंड
श्रीमती सीमा सकड़िया सिद्धि रिफ्यूजी कॉलोनी, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**श्री शरद मोदी** स्टेशन रोड, गिरिडीह, झारखंड	**श्री शुभम सतीश** बोगेंडा, पंजाबी मोहल्ला के पास, गिरिडीह, झारखंड	**श्री सीताराम केडिया** आई.सी.आर. रोड, श्याम मंदिर के पास, गिरिडीह, झारखंड	**श्री सुगम सरावगी** सुरेश बाबू स्ट्रीट, अपर बाजार, रांची, झारखंड
श्री शैलेंद्र कुमार रोड नं.-३, संगम विहार, सोनारी, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री श्रवण कुमार अग्रवाल** वृंदावन कॉलोनी, नेहरू रोड, चिरकुंडा, धनबाद, झारखंड	**श्री शुभम शर्मा** तिरंगा चौक, टुंडी रोड, गिरिडीह, झारखंड	**श्री सीताराम सराफ** अपर बाजार, लोहरडागा, झारखंड	**श्रीमती सुजाता जैन** मेन रोड, चतरा, झारखंड

RUPA®
FRONTLINE
YEH STYLE KA
MAMLA HAI!
Toll-free No.: 1800 1235 001 | www.rupaonlinestore.com |
We are also available at: amazon | Flipkart | JioMart
SCAN & EXPLORE

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2024-2026
Date of Publication - 12th October, 2025
RNI Regd. No. 2866/1968

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com